कोटद्वार, मंगलवार
5 अगस्त 2025
वर्ष: 47
अंक: 95 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

कार पर गिरा बोल्डर, बड़ा हादसा टला

ऋषिकेश। नीलकंठ धाम से लौट रहे एक परिवार की कार अचानक पहाड़ी से आए मलबे की चपेट में आ गई। गनीमत रही कि पहले कार पर छोटे–छोटे पत्थर गिरे। इस दौरान कार सवार सभी लोग बाहर आ गये। इस बीच एक बड़ा बोल्डर कार पर आ गिरा। जिससे कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। लक्ष्मणझूला पुलिस के मुताबिक यह घटना सोमवार की सुबह की है। 46 वर्षीय मनीष निवासी ग्राम कालाखेड़ा, राजबपुर, अमरोहा, यूपी पत्नी 36 वर्षीय अंजू और 10 साल की बेटी यशवी के साथ नीलकंठ मार्ग से गुजर रहे थे। इसी बीच मार्ग पर कालीकुंड के पास अचानक पहाड़ी से मलबा आ गया। गनीमत रही कि एक बड़ा बोल्डर कार पर गिरने से पहले ही तीनों कार से बाहर निकलने में कामयाब रहे। इसी आपाधापी में मनीष चोटिल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी को गंतव्य की ओर रवाना किया। थानाध्यक्ष संतोष पैथवाल ने बताया कि कार को क्रेन के माध्यम से सड़क से हटा दिया गया है।

कुमाऊं के चार जिलों में बारिश का अलर्ट

हल्द्वानी। हल्द्वानी में बारिश का दौर सोमवार को भी रुक–रुककर जारी रहा। आसमान में सुबह से ही काले बादल छाए रहे। दोपहर बाद झमाझम बारिश शुरू हुई। शहर में कुल 162 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। मंगलवार को भी बारिश को लेकर कुमाऊं के चार जिलों नैनीताल, चम्पावत, यूएस नगर व बागेश्वर में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। हल्द्वानी में सोमवार को भी जगह–जगह जलभराव हो गया। नवाबी रोड, हीरानगर, पीलीकोठी, कुसुमखेड़ा समेत मुख्य बाजार में पानी भर गया। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार हल्द्वानी का अधिकतम तापमान 26 डिग्री व न्यूनतम तापमान 23 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के मौसम वैज्ञानिक रोहित थपलियाल ने बताया कि नैनीताल, चम्पावत, यूएस नगर व बागेश्वर जिले में पांच अगस्त यानि मंगलवार को मध्यम से भारी वर्षा होने की संभावनाएं हैं।

नाले में बहे तीन युवक, एक की मौत, दो को बचाया

हल्द्वानी। मूसलाधार बारिश के बीच रविवार देर शाम मुखानी थाना क्षेत्र के बेल बसानी में नाला उफना गया। इसमें तीन युवक बह गए। उनके से एक का शव भाखड़ा नदी से बरामद हुआ है, जबकि दो लोगों को बहते–बहते बचा लिया गया था। सोमवार को पोस्टमार्टम करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के मुताबिक रविवार देर शाम बेल बसानी के नास नाला उफना गया। तभी नाला पार करने की कोशिश में तीन युवक बह गए। उनमें से दो को ग्रामीणों ने मौके पर बचा लिया था। वहीं नाले में बहे तीसरे युवक के लापता होने पर फायर, पुलिस और एसडीआरफ टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाया। सोमवार सुबह भाखड़ा नदी से युवक का शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान पीपल पोखरा, फतेहपुर मुखानी निवासी पीतांबर दत्त सुयाल के 32 वर्षीय बेटे योगेश सुयाल के रूप में हुई। एसओ दिनेश जोशी ने बताया कि मृतक घर पर ही रहता था। रविवार शाम किसी काम से बाजार की तरफ आया था। लौटते वक्त नाले में बह गया। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

सावन माह के चौथे सोमवार को भोले के जयकारों से गूंज उठी तीर्थनगरी

ऋषिकेश। सावन माह के चौथे और अंतिम सोमवार को श्रद्धालुओं ने शिव के प्रति आस्था दिखाई। एक तरफ तीर्थनगरी के शिवालयों में शिवभक्तों का सैलाब उमड़ा, वहीं नीलकंठ महादेव मंदिर में भी करीब चार लाख श्रद्धालुओं के जलाभिषेक करने का दावा किया जा रहा है। भारी बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जलाभिषेक कर सुख–समृद्धि की कामना की। सावन के अंतिम सोमवार को तड़के से ही शिवालयों की ओर जाने वाली तमाम सड़कों पर शिवभक्तों की भीड़ देखने को मिली। नीलकंठ पैदल मार्ग पर शिवभक्तों का रैला लगा रहा। नीलकंठ मंदिर क्षेत्र शिवभक्तों से अटा रहा। मोटर व पैदल मार्ग बम बम भोले के उद्घोष से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने नीलकंठ महादेव मंदिर में पहुंचकर शिवलिंग पर जलाभिषेक किया।

सवारियों से भरे मैक्स वाहन के ऊपर गिरा बोल्डर, दो की मौत, छः घायल

- सोमवार सुबह रिखणीखाल के किल्बोखाल क्षेत्र से कोटद्वार आ रहा था मैक्स वाहन
- दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल दो व्यक्तियों को एम्स ऋषिकेश किया गया रेफर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रिखणीखाल ब्लॉक के अंतर्गत किल्बोखाल क्षेत्र से सवारियां लेकर कोटद्वार की ओर आ रहे एक मैक्स वाहन के ऊपर एक बड़ा बोल्डर गिर गया। दुर्घटना में मैक्स सवार दो व्यक्तियों की मौत हो गई। जबकि, छः अन्य घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को ऋषिकेश हायर सेंटर रेफर किया गया।

घटना सोमवार सुबह करीब दस बजे हुई। रिखणीखाल प्रखंड के अंतर्गत ग्राम लेकुली निवासी देवेंद्र उर्फ धर्मू (30) पुत्र हीरा लाल सुबह करीब छह बजे अपना मैक्स वाहन संख्या यूके11टीए1610 में सवारियां लेकर कोटद्वार के लिए निकला। लेकुली से ही सतवीर (20) पुत्र राजेंद्र भी वाहन में सवार हो गया। रास्ते में बमणखोला निवासी दिनेश (40) पुत्र सोहन लाल, ग्राम फतेहपुर निवासी रवींद्र (30) पुत्र लक्ष्मण सिंह, ग्राम ढिमकी निवासी वीरेंद्र कुमार, उनकी पुत्री मीनाक्षी (23) के अलावा सिमरन (20) पुत्री मनीराम, पंकज (18) पुत्र हरीश चंद्र और पीयूष (17) पुत्र सुरेंद्र सिंह भी सवार हो गए। सुबह करीब दस बजे नजीबाबाद-बुआखाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोटद्वार से करीब ढाई किलोमीटर पहले अचानक मैक्स वाहन के ऊपर पहाड़ी से बोल्डर आ गिरा। बोल्डर गाड़ी के अगले हिस्से में गिरा, जिस कारण अगली सीट पर बैठे सतवीर और रवींद्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मैक्स चालक देवेंद्र उर्फ धर्मू भी गंभीर रूप से घायल हो गया। वाहन में सवार अन्य लोगों को बेस चिकित्सालय में भर्ती किया गया है। देवेंद्र और दिनेश की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें एम्स रेफर किया गया है।

भारत–पाक सीमा पर 2.50 करोड़ की हेरोइन बरामद

श्रीगंगानगर,जिले के दौलतपुरा के समीपवर्ती संगतपुरा गांव में भारत–पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक खेत से 522 ग्राम हेरोइन बरामद की गई. बीएसएफ और मटीलीराठान पुलिस के संयुक्त अभियान में इस हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 2.50 करोड़ रुपए आंकी गई है. हेरोइन पीले रंग के पैकेट में बंद थी, जिस पर कुड़ी बनी थी और छोटे अक्षरों में कुछ लिखा हुआ था. अधिकारियों का मानना है कि यह पैकेट संभवतः पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए गिराया गया. घटना का खुलासा तब हुआ जब स्थानीय किसान हरकिर्तन सिंह मान, पुत्र जसविंद्र सिंह मान, अपनी नरमे की फसल में पानी लगा रहे थे. रविवार शाम को खेत में पानी की बारी के दौरान उन्होंने एक संदिग्ध पैकेट देखा. इसके बाद उन्होंने गांव में सूचना दी. बलजीत मान ने शाम 6 बजे बीएसएफ को इसकी जानकारी दी. सूचना मिलते ही बीएसएफ के जवान और मटीलीराठान थाना प्रभारी सुभाष चंद्र अपने दल के साथ मौके पर पहुंचे बीएसएफ और पुलिस ने खेत में सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन कोई अन्य संदिग्ध वस्तु नहीं मिली. खेत में ही हेरोइन का वजन तोला गया, जो 522 ग्राम निकला. मटीलीराठान पुलिस ने पैकेट को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है.

3500 यात्री हुए केदारनाथ धाम के लिए रवाना

रूद्रप्रयाग : लगातार हो रही बारिश के बाद भी केदारनाथ जाने वाले भक्तों में पूरा उत्साह है। सोमवार को केदारनाथ के लिए 3500 यात्रियों को सोनप्रयाग से रवाना किया गया। हालांकि सुबह तेज बारिश के चलते यात्री सुरक्षा को पुलिस ने कुछ देर यात्रियों को रोके रखा किंतु बाद में बारिश कम होते ही 12 बजे सभी यात्रियों को केदारनाथ के लिए रवाना किया गया। जनपद में लगातार बारिश का कहर जारी है। बावजूद केदारनाथ धाम जाने वाले यात्रियों की निरंतर आवाजाही बनी है। सोमवार को सोनप्रयाग में 3500 यात्री केदारनाथ के लिए जमा हुए। तेज बारिश के चलते यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए उन्हें कुछ देर रोका गया। बाद में जब बारिश कम हुई और मौसम ठीक हुआ तब 12 बजे यात्रियों को सोनप्रयाग से रवाना किया गया। सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच भी पुलिस लगातार निगरानी करती रही, ताकि पहाड़ी से किसी तरह के बोल्डर न गिरे। गौरीकुंड में पुलिस ने यात्रियों को सुरक्षा के बीच संवेदनशील स्थान पार कराए। दोपहर तक केदारनाथ के लिए सोनप्रयाग से 3500 यात्री रवाना हो गए। भक्तों में केदारनाथ धाम के लिए पूरा उत्साह बना है। सोनप्रयाग में कोतवाली निरीक्षक राकेंद्र कठैत और गौरीकुंड में चौकी इंचार्ज सूरज कंडारी बेहतर यात्रा संचालन कर रहे है, जिससे यात्रियों को सुरक्षित यात्रा कराई जा रही है। (एजेंसी)

पंजाब में फर्जी एनकाउंटर केस में 32 साल बाद सजा

पूर्व एसपी–डीएसपी समेत पांच दोषियों को उम्रकैद

चंडीगढ़ ,पंजाब के तरनतारन में वर्ष 1993 के फर्जी मुठभेड़ मामले में दोषी पंजाब पुलिस के पूर्व एसएसपी और डीएसपी सहित पांच पुलिस अधिकारियों को सीबीआई की स्पेशल अदालत ने सजा सुनाई। कोर्ट ने रिटायर्ड एसएसपी भूपेंद्रजीत सिंह, रिटायर्ड डीएसपी दविंदर सिंह समेत 5 पुलिस अफसरों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इन सभी पर 7 लोगों की हत्या और आपराधिक साजिश यानी आईपीसी की धारा 302 और 120–बी के तहत मुकदमा चला। पहले इस केस में 10 पुलिस अफसरों और कर्मचारियों को आरोपी बनाया गया था, लेकिन ट्रायल के दौरान 5 की मौत हो गई। पीड़ित परिवारों के वकील सरबजीत सिंह वेरका ने बताया कि जांच पूरी करने के बाद सीबीआई ने 2002 में भूपिंदरजीत सिंह डीएसपी गोइंदवाल, इंस्पेक्टर के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था। गुरदेव सिंह एसएचओ सरहाली, एसआई ज्ञान चंद, एएसआई देविंदर सिंह, एएसआई गुलबर्ग सिंह, इंस्पेक्टर सूबा सिंह एसएचओ थाना वेरोवाल, एएसआई जगीर सिंह, एएसआई रघुबीर सिंह, एचसी मोहिंदर सिंह, एचसी अरूर सिंह को नामजद किया गया। लेकिन 2010–21 की अवधि के दौरान इस मामले की सुनवाई रुकी रही और इस अवधि के दौरान पांच आरोपियों की मृत्यु हो गई। मामला 1993 का है, जिसमें 7 लोगों को 2 अलग–अलग मुठभेड़ में मरा हुआ दिखाया गया था।

दिल्ली में बंद कमरे में मिलीं 2 नाइजीरियाई नागरिकों की लाशें, मचा हड़कंप

नई दिल्ली,देश की राजधानी दिल्ली में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां दो नाइजीरियाई नागरिक संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए. यह घटना दिल्ली के द्वारका क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले उत्तम नगर के चाणक्य प्लेस इलाके की है. दोनों शव एक इमारत की पहली मंजिल पर पाए गए, जो एक कपड़ों के शोरूम के पीछे स्थित है. रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह मकान एक व्यक्ति हेनरी के नाम पर किराए पर लिया गया था. मृतकों की पहचान जोसेफ और चिबिटरन के रूप में हुई है, जो दोनों बुराड़ी इलाके के निवासी थे. प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दोनों एक दिन पहले बुराड़ी से चाणक्य प्लेस पहुंचे थे. पुलिस ने बताया कि इस घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद मौके पर पहुंची टीम ने क्षेत्र को घेर लिया और फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) तथा क्राइम टीम को जांच के लिए बुलाया गया. एक अधिकारी ने बताया, शवों पर कोई बाहरी चोट के निशान नहीं हैं और प्रारंभिक स्तर पर किसी साजिश की आशंका नहीं लगती. शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल भेजा गया है.

डीएम पूरी टीम के साथ ग्राउंड जीरों पर रहें : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अस्पतालों का औचक निरीक्षण कर लेंगे व्यवस्थाओं का जायजा

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को वर्चुअल माध्यम से जुड़े सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में लगातार हो रही वर्षा के दृष्टिगत वे अपनी पूरी टीम के साथ लगातार ग्राउंड जीरो पर रहें। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने जनपदों के शासकीय अस्पतालों का नियमित निरीक्षण करें। इसमें दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सकों की उपस्थिति, उपकरणों की स्थिति और स्वच्छता व्यवस्था जैसे विषय सम्मिलित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्वयं भी समय-समय पर अस्पतालों का औचक निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षा के कारण फसलों को हुई क्षति का शीघ्र आंकलन किया जाए। अतिवृष्टि के कारण सड़कों के बाधित होने की स्थिति में उन्हें शीघ्र सुचारु किया जाए। पेयजल और विद्युत की लाइनें क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में यथाशीघ्र व्यवस्थाएं सुचारु की जाएं। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि ग्रामीण संपर्क मार्ग बाधित होने की स्थिति में लोगों के आवागमन की वैकल्पिक व्यवस्था शीघ्र की जाए। जल भराव की स्थिति से निपटने के लिए सभी तैयारियां पूर्व से की जाएं। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन लोगों ने गलत तरीके से राशन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर कार्ड, आयुष्मान कार्ड और अन्य दस्तावेज प्राप्त किए हैं, तथा ऐसे कार्ड बनाने में संलिप्त व्यक्तियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही, जनपदों में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही भी नियमित रूप से की जाए। 'ऑपरेशन कालनेमी' के अंतर्गत भी आस्था की आड़ में जनता को गुमराह करने वालों पर नियमित कार्यवाही की जाए। बैठक में प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली, विनय शंकर पांडेय, अपर पुलिस महानिदेशक ए.पी. अंशुमन, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, अपर सचिव बंशीधर तिवारी, वर्चुअल माध्यम से सचिव डॉ. पंकज कुमार पांडेय, आयुक्त कुमाऊँ दीपक रावत एवं सभी जिलाधिकारी उपस्थित थे।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता पर ध्यान रखें

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश के बाद अवस्थापना विकास से संबंधित कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जाए।

सड़कों, पुलों, नालियों एवं अन्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही राज्य और केंद्र सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की नियमित समीक्षा की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों में स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही आमजन को भी स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाए। इसके लिए जनजागरूकता अभियानों का संचालन किया जाए। 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' की दिशा में नियमित प्रयास किए जाएं।

राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट की फटकार, कहा– आपको कैसे पता कि चीनियों ने जमीन हड़पी

नईदिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चीन द्वारा जमीन हड़पने के उनके दावे पर फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो आप ऐसी टिप्पणी नहीं करेंगे। साथ ही कोर्ट ने राहुल के खिलाफ आपराधिक मानहानि की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और एजी मसीह की पीठ ने गांधी की टिप्पणी पर मौखिक असहमति व्यक्त कर कहा कि आपको कैसे पता कि चीन ने जमीन हड़पी है?

लाइव लॉ के मुताबिक, राहुल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट में दलील दी कि अगर विपक्ष का नेता मुद्दे नहीं उठा सकता तो यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी। सिंघवी ने कहा कि अगर वह प्रेस में छपी बातें नहीं कह सकते तो वह विपक्ष के नेता नहीं हो सकते। इस पर न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि आपको जो कुछ कहना है, संसद में क्यों नहीं कहते? सोशल मीडिया में पोस्ट कर ऐसा क्यों कहना है? राहुल के बयान पर असहमति जताते हुए न्यायमूर्ति दत्ता ने पूछा, आपको कैसे पता चला कि 2,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर चीनियों ने कब्जा कर लिया है? क्या आप वहां थे, क्या आपके पास कोई विश्वसनीय सामग्री है? आप बिना सबूत के बयान क्यों दे रहे हैं? अगर आप सच्चे भारतीय होते, तो यह सब नहीं कहते। सिंघवी ने कहा, यह भी संभव है कि एक सच्चा भारतीय कहे कि 20 भारतीय सैनिकों को पीटा और मार दिया गया। जमीन हड़पने संबंधी बयान के मामले में राहुल के खिलाफ उत्तर प्रदेश में मामला दर्ज है, जिसमें निचली कोर्ट ने उन्हें समन जारी किया था। राहुल कोर्ट के आदेश के खिलाफ इलाहाबाद हाई कोर्ट गए थे, जहां 29 मई को समन आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी गई। इसके बाद राहुल गांधी सुप्रीम कोर्ट पहुंचे।

यहां उन्होंने मामला राजनीति से प्रेरित और दुर्भावनापूर्ण बताया। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया है। राहुल ने 16 दिसंबर, 2022 को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राजस्थान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था, लोग यहां–वहां, अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बारे में पूछेंगे,

बहादराबाद में दो महिलाओं की मौत के बाद अस्पताल किया सील, केस दर्ज

हरिद्वार। रविवार देर रात अत्मलपुर बोंगला मां गंगा मैटरनिटी एन्ड आई केयर में दो महिलाओं की मौत के बाद उप जिलाधिकारी और तहसील प्रशासन ने अस्पताल को रात साढ़े बारह बजे जांच पूरी होने तक सील कर दिया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी महिलाओं की मौतों में जांच कर रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंपेंगे। अस्पताल सील होने के बाद ही हंगामा कर रहे परिजनों ने पोस्टमार्टम के शव उठाने दिए।

सोमवार दोपहर दोनों महिलाओं का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुबुर्द कर दिए गए हैं। उधर मृत महिला मीनाक्षी और खुशबू के परिजनों की शिकायत पर अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ इलाज में लापरवाही की शिकायत पुलिस ने विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का निधन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताया दुख

रांची,झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का सोमवार को 81 साल की उम्र में निधन हो गया। वह पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती थे। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के संस्थापक सोरेन को 19 जुलाई को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनको किडनी संबंधी परेशानी थी। कुछ दिन पहले उनको वेंटीलेटर पर रखा गया था। उन्होंने सोमवार सुबह 8:56 बजे दम तोड़ा। उनके पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दिल्ली में हैं। अस्पताल के नेफ्रोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ एके भल्ला ने बताया कि सोरेन की बाईपास सर्जरी अधिक उम्र में हुई थी, जिससे रिकवरी में समय लग रहा था। उन्होंने बताया कि उनको फेफड़े और किडनी संबंधी बीमारियों के अलावा डायबिटीज भी थी और हाल में उन्हें ब्रेन स्ट्रोक भी आया था। ब्रेन स्ट्रोक के बाद उनके बाएं शरीर में पैरालिसिस की शिकायत थी। उनके बेटे हेमंत और बहु कल्पना सोरेन एक हफ्ते से दिल्ली में थे। पिता के निधन पर मुख्यमंत्री हेमंत ने एक्स पर लिखा, आदरणीय दिशोम गुरुजी हम सभी को छोड़कर चले गए हैं। आज मैं शून्य हो गया हूं...। शिबू सोरेन के निधन की सूचना पर पूरे झारखंड में शोक की लहर है। जेएमएम नेता से अस्पताल में लगातार अन्य राजनीतिक पार्टियों के नेता मिलने आ रहे थे। पिछले दिनों लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी आदिवासी नेता से मिलने पहुंचे थे। शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार झारखंड में होगा। आदिवासी अधिकारों की लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाने वाले शिबू सोरेन को गुरुजी कहा जाता था। वे जेएमएम के संस्थापक नेताओं में रहे हैं और राज्य की मुहिम को नेतृत्व दिया था। वे राज्य के 3 बार मुख्यमंत्री रहे हैं और 2004 में मनमोहन सिंह की सरकार में कोयला मंत्री बने थे। हालांकि, चिरूडीह कांड में गिरफ्तारी का वारंट जारी होने के बाद उन्हें मंत्रीमंडल से 24 जुलाई, 2004 को इस्तीफा देना पड़ा था। वे 7 बार लोकसभा सांसद रहे। सोरेन के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताते हुए एक्स पर लिखा, शिबू सोरेन जी एक जमीनी नेता थे, जिन्होंने जनता के प्रति अटूट समर्पण के साथ सार्वजनिक जीवन में ऊंचाइयों को छुआ।

बारिश के बीच बंद सड़कों से दूरस्थ इलाकों में महँगाई की मार, बढ़ी मुश्किलें

देहरादून। उत्तराखंड में बारिश के बीच बंद रास्तों ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दूरस्थ इलाकों में महंगाई चरम पर पहुंच गई है। कुछ गांवों में तो इस समय एक गैस सिलेंडर के लिए दो हजार रुपये तक खर्च करने पड़ रहे हैं। चीनी, नमक समेत खाद्यान्न भी बंद सड़कों की इन गांवों में महंगा पड़ रहा है। ऐसी दिक्कतें सीमांत जनपद चमोली, पिथौरागढ़ और उत्तरकाशी के दूर दराज के इलाकों में हो रही है, जहां सड़कें लगातार बंद चल रही हैं। चमोली जिले की दूरस्थ निजमूला घाटी के पाणा, गौणा, ईरानी की सड़क 43 दिन से बंद है। यहां गैस सिलेंडर, खाद्यान्न समेत जरूरी सामान की सप्लाई घोड़े–खच्चरों से की जा रही है। ईरानी के पूर्व ग्राम प्रधान मोहन सिंह नेगी बताते हैं कि पगना गांव तक पहले ही भाड़ा लगाकर गैस सिलेंडर 1200 रुपये का पड़ता था, लेकिन अब सड़क टूटने की वजह से दूरी बढ़ गई है, तो घोड़े–खच्चर वाले भी गैस सिलेंडर के छह सौ रुपये अतिरिक्त ले रहे हैं। इससे 942 रुपये के गैस सिलेंडर के लिए उन्हें दो हजार रुपये तक खर्च करने पड़ रहे हैं। यही स्थिति उत्तरकाशी के मोरी ब्लॉक के लिवाडी, फिताडी, कासला, रेकचा हरपूरी, राला, बरी, सेवा, औसला गांवों की भी है। यहां सड़क बंद होने से दैनिक जरूरत के सामान का ज्यादा भाड़ा चुकाना पड़ रहा है। गैस सिलेंडर को घर तक लाने में 1600 रुपये खर्च हो रहे हैं। एक किलो चीनी और नमक भी प्रति किलो दस रुपये महंगा मिल रहा है। ऐसे स्थिति सीमांत जिलों में ही नहीं नैनीताल के पंगोट बंगट क्षेत्र भी है, यहां घर तक गैस सिलेंडर लाने में सौ रुपये अतिरिक्त खर्च करने पड़ रहे हैं, बाकी राशन भी ढलाई खर्च बढ़ने से दस फीसदी महंगा मिल रहा है। यह है दूरस्थ इलाकों की स्थिति पिथौरागढ़, चमोली, उत्तरकाशी, टिहरी समेत उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में कई गांव इतनी दूर हैं कि उनके सामने खाद्यान्न से लेकर दूसरे जरूरी सामान के लिए काफी ज्यादा माल भाड़ा चुकाना पड़ता है। इन दूरस्थ इलाकों के कई गांवों में रसोई गैस सप्लाई की व्यवस्था नहीं है, ऐसे में ग्रामीणों को 20–25 किमी. दूर से टैक्सी वाहनों और खच्चरों में गैस सिलेंडर लाना पड़ता है, धारचूला के छलमाछिलासो, रोड़ा, नागगांव में गैस सिलेंडर के लिए 12 सौ से दो हजार रुपये खर्च करने पड़ते हैं। मुसीबत में बड़ी मुश्किल इन गांवों में जरूरी सामान के लिए ज्यादा कीमत चुकाने की स्थिति तो पैदा हुई है, इससे ज्यादा मुश्किल आपातकालीन स्थिति में होती है।

ओडिशा में छात्रा के आत्मदाह मामले में एबीवीपी के संयुक्त सचिव समेत 2 गिरफ्तार

भुवनेश्वर, ओडिशा के बालासोर में 20 वर्षीय छात्रा के आत्मदाह मामले में पुलिस ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के राज्य संयुक्त सचिव समेत 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि एबीवीपी संयुक्त सचिव शुभ्रा संबित नायक और सदस्य ज्योति प्रकाश बिस्वाल कथित तौर पर उस समय मौजूद थे, जब छात्रा ने खुद को आग लगाई थी। दोनों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। अपराध शाखा के अधिकारियों ने बताया कि छात्रा के आत्मदाह के दिन दोनों उसके साथ थे। दोनों पर छात्रा को उकसाने का आरोप है, जिसके बाद छात्रा ने जान दी। इसमें ज्योति प्रकाश छात्रा को बचाने में घायल हो गए, जो अस्पताल में भर्ती थे। अस्पताल से छूटने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। दोनों ने वीडियो रिकॉर्डिंग भी की थी। दोनों को रविवार रात बालासोर के उप–मंडल न्यायिक मजिस्ट्रेट के आवासीय कार्यालय में पेश कर जेल भेजा गया।

ईपीएस–95 पेंशनर्स का एलान: सरकार तत्काल बढ़ाए न्यूनतम पेंशन

नई दिल्ली, ईपीएस–95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति ने न्यूनतम पेंशन बढ़ाने की मांग को लेकर आज दिल्ली के जंतर मंतर पर एक विशाल धरना प्रदर्शन आयोजित किया। इस प्रदर्शन का नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कमांडर अशोक राउत ने किया, जिसमें देशभर के 27 राज्यों से हज़ारों की संख्या में पेंशनर शामिल हुए। पेंशनरों ने केंद्र सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए गहरा आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री से लेकर कई केंद्रीय मंत्री पेंशनरों से मुलाकात कर ?1,000 की न्यूनतम पेंशन को बढ़ाकर ?7,500 करने, महंगाई भत्ता देने और मुफ्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन पहले ही दे चुके हैं। संसद के दोनों सदनों में इस मांग को लेकर सैकड़ों बार सवाल उठ चुके हैं और संसदीय समिति भी पेंशन वृद्धि की सिफारिश कर चुकी है, लेकिन इसके बावजूद सरकार कोई ठोस निर्णय नहीं ले रही है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे कमांडर अशोक राउत ने कहा, हमने अब तक संयम बरता है, लेकिन अब हालात बर्दाश्त के बाहर हैं। यदि सरकार ने जल्द निर्णय नहीं लिया, तो देशभर के पेंशनर लोकतांत्रिक तरीक़े से अपनी आवाज़ को संसद तक पहुँचाएंगे और सरकार को ज़मीन पर उतरकर जवाब देना होगा। यह केवल एक आंदोलन नहीं, बल्कि हमारे आत्मसम्मान और अधिकार की लड़ाई है। पेंशनरों का कहना है कि वे बीते 10 वर्षों से न्यूनतम पेंशन वृद्धि की मांग को लेकर देशभर में लगातार आवाज़ उठा रहे हैं, लेकिन सरकार की लगातार उपेक्षा और संवेदनहीनता अब असहनीय हो गई है।

सम्पादकीय

आपदा और मुस्तैद तंत्र

उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश का असर मैदान से पहाड़ तक नजर आने लगा है। बारिश ने पूरे उत्तराखंड में जंज जीवन को बुरी तरह से प्रभावित कर दिया है जिसके बाद सरकार अलर्ट मोड पर है। राज्य सरकार की ओर से भारी बारिश को देखते हुए एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ को ग्राउंड जीरो पर तैयार रहने के आदेश दिए गए हैं जबकि समस्त जिलों की पुलिस एवं संबंधित विभाग भी किसी भी आपदा राहत के लिए मौजूद रहेंगे। लगातार हो रही बारिश के कारण पहाड़ों में कई स्थानों पर मार्ग अवरुद्ध हो चुके हैं जिन्हें खोलने का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। हमेशा से ही उत्तराखंड मानसून के समय भारी त्रासदी का शिकार बनता है और यही सब इस बार भी देखने को मिल रहा है। कुछ स्थानों पर बादल फटने जैसी घटनाएं हुई तो कहीं भूस्खलन के कारण तमाम महत्वपूर्ण रास्ते अवरुद्ध हुए हैं जिन्हें खोलने के प्रयास जारी है। उत्तराखंड के लिए आपदा परिस्थितियों से जूझना कोई नई बात नहीं है और राज्य बनने के बाद से ही प्रदेश ने आपदा रहा तंत्र में काफी सुधार किया है हालांकि प्रकृति की मार के आगे कहीं ना कहीं अच्छे से अच्छी व्यवस्था भी धरी की धरी रह जाती है। मानसून से पूर्व ही राज्य सरकार द्वारा आपदा तंत्र को चाक चौबंद रखने के निर्देश जारी किए गए थे और उसी का परिणाम है कि मानसून के दौरान किसी भी स्थान पर प्राकृतिक आपदा की स्थिति में टीम में तत्काल पहुंच रही है। विषम भौगोलिक परिस्थितियों से उत्तराखंड के लोग तो हमेशा से ही प्रत्येक मानसून में भयंकर प्राकृतिक आपदा से जुड़े आए हैं और न जाने कितनी ही बात अपने आशियाना व खेत खलियानों को उजड़ने के बाद सवारने की जुगत भी करते आए हैं। पहाड़ों की यही नियति है सिर्फ कोशिश यह होनी चाहिए की प्राकृतिक आपदाओं के कारण अधिक से अधिक संख्या में लोगों को सुरक्षित रखा जा सके फिर वह चाहे पहाड़ी क्षेत्रों में हो, मैदान में या फिर चार धाम यात्रा पर निकले श्रद्धालु हो। सबसे पहले नागरिकों की सुरक्षा है। सरकार भरसक प्रयास कर रही है लेकिन आम नागरिकों को भी मानसून के दौरान सामने आने वाली आपदाओं के दौरान सचेत रहने की जरूरत है, विशेष तौर पर नदी नालों के किनारे रहने वाले लोगों को खास सतर्कता बरतनी चहिए। राहत तंत्र एवं राहत कर्मियों के साथ सहयोग करके ही प्राकृतिक विपदाओं से काफी हद तक जूझा जा सकता है।

देश की फिजां में अचानक रिटायरमेंट की चर्चा

अजीत द्विवेदी

> **देश के जाने माने वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे ने 70 साल की उम्र में रिटायरमेंट की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि अब वे प्रैक्टिस नहीं करेंगे। इस बीच भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने याद दिलाया कि लालकृष्ण आडवाणी 90 साल की उम्र तक सांसद रहे थे। इस तरह उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी अगले कई बरसों राजनीतिक रूप से सक्रिय बने रहने का संकेत दिया। इन बयानों और घटनाक्रमों पर विचार करने से पहले यह देखने की जरुरत है कि क्या सचमुच भाजपा में 75 साल की उम्र में रिटायर होने का कोई नियम है? अगर नहीं है तो क्यों प्रधानमंत्री मोदी के 75 साल का होने को इतना मुद्दा बनाया जा रहा है? ध्यान रहे 75 साल की उम्र में रिटायर किए जाने का कोई घोषित नियम नहीं है। हालांकि अघोषित रूप से इसे लागू किया गया है।**

बड़े आश्चर्य की बात है कि अचानक देश की फिजां में रिटायरमेंट की चर्चा शुरू हो गई। जिधर सुनिए उधर रिटायरमेंट की बातें हो रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल 17 सितंबर को 75 साल के होने वाले हैं और उससे पहले रिटायरमेंट की चर्चा हो रही है, उसका महत्व व जरुरत समझाई जा रही है और रिटायरमेंट के बाद की योजनाओं की चर्चा हो रही है। क्या यह महज एक संयोग है या इन चर्चाओं की टाइमिंग का कुछ और इशारा है? राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के सरसंघचालक ने 75 साल की उम्र में रिटायर होने की आवश्यकता बताई तो केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रिटायर होने के बाद की अपनी योजना बताई।

उधर देश के जाने माने वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे ने 70 साल की उम्र में रिटायरमेंट की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि अब वे प्रैक्टिस नहीं करेंगे। इस बीच भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने याद दिलाया कि लालकृष्ण आडवाणी 90 साल की उम्र तक सांसद रहे थे। इस तरह उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी अगले कई बरसों राजनीतिक रूप से सक्रिय बने रहने का संकेत दिया। इन बयानों और घटनाक्रमों पर विचार करने से पहले यह देखने की जरुरत है कि क्या सचमुच भाजपा में 75 साल की उम्र में रिटायर होने का कोई नियम है?

अगर नहीं है तो क्यों प्रधानमंत्री मोदी के 75 साल का होने को इतना मुद्दा बनाया जा रहा है? ध्यान रहे 75 साल की उम्र में रिटायर किए जाने का कोई घोषित नियम नहीं है। हालांकि अघोषित रूप से इसे लागू किया गया है। भले हर बार 75 की उम्र पर नेताओं को रिटायर नहीं कराया गया हो लेकिन नेताओं को रिटायर कराने में उम्र एक पैमाना बना है। लालकृष्ण आडवाणी से लेकर मुरली मनोहर जोशी और शांता कुमार से लेकर सुमित्रा महाजन और बाबूलाल गौर तक अनेक मिसाल है, जब उम्र के आधार पर नेताओं को घर बैठा दिया गया।हालांकि 75 साल से ज्यादा उम्र के अनेक नेताओं को भाजपा ने चुनाव लड़ाया है। सबसे ताजा मिसाल झारखंड में रामचंद्र चंद्रवंशी की है, जिनको भाजपा ने पिछले साल 79 साल की उम्र में विश्रामपुर विधानसभा सीट से टिकट दिया था। ऐसी मिसाल हर राज्य में है। अब सवाल है कि जब उम्र की सीमा आधिकारिक रूप से तय नहीं की गई है फिर नरेंद्र मोदी के 75 साल की उम्र में रिटायर होने के कयास क्यों लगाए जा रहे हैं और क्यों इस तरह की बातें हो रही हैं, जिनसे उनके ऊपर दबाव बने?इसका जवाब पिछले साल के लोकसभा चुनाव के नतीजों में देखा जा रहा है। पिछले साल लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूरी भाजपा चार सौ सीट के लिए लड़ रही थी। लेकिन भाजपा को 240 सीटें मिलीं। 2019 के मुकाबले उसको 63 सीटों का नुकसान हुआ। उसके बाद मोदी और उनकी टीम बैकफुट पर आई।

नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू सहित अन्य घटक दलों के समर्थन से सरकार बनी। हालांकि उसके बाद हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में चुनावी जीत से प्रधानमंत्री का कांफिडेंस वापस लौटा।इसके बाद उन्होंने विदेश के धुआंधार दौरे किए और एक साल के अंदर उन्होंने 12 देशों का सवोच्च नागरिक सम्मान हासिल किया। उनके 11 साल के कार्यकाल में पहले 10 साल में 14 सम्मान मिले थे लेकिन तीसरे कार्यकाल के पहले साल में 12 सम्मान मिले। इस तरह उन्होंने घरेलू राजनीति की कमजोरी को वैश्विक मंच पर विश्वगुरू के रूप में स्थापित होने के नैरेटिव से बदलने का प्रयास किया। लेकिन ऐसा लग रहा है कि इसमें बहुत कामयाबी नहीं मिली है।

बहरहाल, आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत का बयान बहुत दिलचस्प है। उन्होंने हिंदुवादी विचारक मोरोपंत पिंगले के ऊपर लिखी एक किताब के विमोचन में कहा, 'जब आपको 75 साल पूरे होने पर शॉल ओढ़ाई जाती है तो समझिए कि दूसरों का मौका देने का समय आ गया है। आपको किनारे हो जाना चाहिएइ। यह बात उन्होंने अपने संदर्भ में कही। ध्यान रहे संघ प्रमुख भी 11 सितंबर को 75 साल के हो रहे हैं। तभी यह कयास लगाया जा रहा है कि क्या मोहन भागवत भी रिटायर होंगे और इससे प्रधानमंत्री मोदी के ऊपर रिटायर होने का दबाव बनेगा? हालांकि संघ में भी 75 साल की उम्र में रिटायर होने का नियम नहीं है।मोहन भागवत से पहले केएस सुदर्शन संघ प्रमुख थे और 78 साल की उम्र में सेहत की वजह से रिटायर हुए। फिर भी अगर मोहन भागवत कुछ इशारा कर रहे हैं तो उसका कोई न कोई मतलब है। कहा जा रहा है कि भाजपा के अंदर भी संघ से नजदीकी रहने वाले कई नेता हैं, जो चाहते हैं कि 75 साल की उम्र में रिटायर होने का नियम प्रधानमंत्री मोदी पर भी लागू हो। परंतु मुश्किल यह है कि कोई भी यह बात खुल कर नहीं कह रहा है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी रिटायरमेंट की चर्चा की। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा कि वे रिटायर होने के बाद योग, ध्यान करेंगे। वेद, उपनिषद पढ़ेंगे और बागवानी करेंगे। इसका मतलब है कि वे अंतिम समय तक किसी पद पर बने रहने या राजनीति में सक्रिय रहने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। ध्यान रहे भारत में हर नेता की इच्छा यही रहती है कि वह पद रहते हुए ही अंतिम सांस ले। उम्र बची रहे और स्वेच्छा से कोई राजनीति से रिटायर हो जाए यह दुनिया के दूसरे आधुनिक, लोकतांत्रिक, पूंजीवादी, उपभोक्तावादी देशों में तो होता है लेकिन भारत में, जहां त्याग और अध्यात्म की महिमा बखानी जाती है वहां नहीं होता है।

इसलिए अमित शाह की कही बात का बहुत महत्व है। वे अभी 61 साल के होने वाले है और उन्होंने योग, ध्यान, एक्सरसाइज से अपने को पहले से काफी फिट बनाया है। सोचें, 61 साल की उम्र में वे रिटायर होने के बाद की योजना पर चर्चा कर रहे हैं! वे कब रिटायर होंगे यह नहीं कहा लेकिन उसके बाद की जो योजना बताई उसके हिसाब से शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हुए, एक निश्चित उम्र में रिटायर हो जाना होगा। सवाल है कि क्या उन्होंने भी प्रधानमंत्री को कोई इशारा दिया? कहा नहीं जा सकता है। पिछले चुनाव के समय अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री मोदी के सितंबर 2025 में रिटायर होने की बात कही थी और कहा था कि इस बार चुनाव अमित शाह को प्रधानमंत्री बनाने के लिए हो रहा है।तब अमित शाह ने इसका कड़ा प्रतिवाद किया था और कहा था कि चुनाव के बाद मोदी ही प्रधानमंत्री बनेंगे और 2029 में भी मोदी ही नेतृत्व करेंगे। यही बात भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने भी कही है। उन्होंने कहा कि लालकृष्ण आडवाणी 90 साल की उम्र तक सांसद रहे। यह सही है कि आडवाणी 2014 का चुनाव लड़े थे और तब उनकी उम्र 84 साल थी। इसके बाद पांच साल वे सांसद रहे। जो हो इस बार प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन बहुत खास हो गया है। मोहन भागवत 75 साल पूरे करने पर क्या करते हैं और मोदी क्या करते हैं इस पर सबकी नजर होगी। अगर भागवत रिटायर होते हैं और मोदी नहीं होते हैं तो क्या होगा? अगर दोनों होते हैं तो क्या होगा और अगर दोनों रिटायर नहीं होते हैं तो क्या होगा? इन सवालों का जवाब सितंबर में और उसके बाद की राजनीति में मिलेगा।

एसआईआर पर उठते वैधानिक सवाल

बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही निर्वाचन आयोग स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) करवा रहा है। उसका कहना है कि कानून व संविधान के तहत उसे यह अधिकार प्राप्त है कि नागरिकता से जुड़े दस्तावेज मांग सकता है ताकि नागरिकों को उचित मताधिकार मिल सके।

विपक्ष का आरोप है, आयोग इसकी आड़ में नागरिकता की जांच कर रहा है। वे इस पर कानूनी व वैधानिक सवाल भी उठा रहे हैं।

आयोग ने शीर्ष अदालत को दिए 88 पन्नों के हलफनामे में इस प्रक्रिया के तहत किसी की नागरिकता इस आधार पर न समाप्त करने की बात है कि उसका नाम मतदाता सूची के बाहर हो गया। पहचान के सीमित उद्देश्य के लिए आधार, मतदाता–पत्र व राशन–कार्ड पर विचार करने की बात भी की है।

आयोग के आदेशानुसार आठ करोड़ मूल बिहारियों को मतदाता सूची में शामिल रहने के लिए 25 जुलाई तक गणना फॉर्म भर कर जमा करना है जिसकी सूची पहली अगस्त को जारी की जा सकती है।

संविधान के अनुच्छेद 325 के अनुसार किसी भी शख्स को केवल धर्म, नस्ल, जाति या लिंग के आधार पर मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जा सकता। कानूनन देश का प्रत्येक नागरिक, जो 18 साल या उससे अधिक है, मतदाता के तौर पर पंजीकरण करा सकता है।

इसमें सिर्फ गैर–नागरिक को नाम दर्ज कराने के अयोग्य ठहराया गया है। सुप्रीम कोर्ट अपने फैसले में स्पष्ट कर चुका है कि मताधिकार केवल संवैधानिक अधिकार है, मौलिक अधिकार नहीं। मगर भारतीय नागरिक होने के बावजूद उसे शत्रे पूरी करनी होती है, और आवश्यक दस्तावेज देने होते हैं।

आयोग की मंशा पर उंगली उठाने वालों का आरोप है कि गणना फार्म में मांगे गए दस्तावेज में आधार, मतदाता–पत्र व राशन–कार्ड का न शामिल होना संदेह उपजाता है।

चूंकि सरकार आधार को केवल पहचान–पत्र मान रही है, इसलिए यह संशय उठा है। यदि जल्द ही आयोग इसमें सुधार कर ले तो शायद इन आरोपों–प्रत्यारोपों से बचा जा सकता है। आयोग को अपनी छवि और स्वायत्तता का विशेष ख्याल रखना होगा। भारत लोकतांत्रिक देश ही नहीं है, दुनिया के समक्ष मताधिकार की ताकत की मिसाल भी पेश करता है। खास मतदाताओं को उनके अधिकार से वंचित करने की किसी राजनीतिक दल की साजिश का हिस्सा बनने से उसे न सिर्फ बचना होगा, बल्कि अपने पूर्ववर्तियों के नक्शे–कदम पर चल कर सख्त रवैया अपनाते हुए लोकतंत्र का रक्षा कवच बनने से भी हिचकिचाना नहीं चाहिए।

किसानों के सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं के रूपांतरण का भारत का वैश्विक खाका

डॉ. प्रमोद मेहरदा

समावेशी विकास और ग्रामीण समृद्धि के सफर में, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम–किसान) योजना, भारत सरकार की एक अग्रणी पहल के रूप में उभर कर सामने आई है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 24 फरवरी 2019 को शुरू की गई, इस पहल ने लाखों छोटे एवं सीमांत किसानों के जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है और पूरी तरह से डिजिटल, कुशल एवं पारदर्शी प्रणाली के जरिए प्रत्यक्ष आय सहायता प्रदान करने के एक वैश्विक मॉडल के रूप में खुद को स्थापित किया है।

प्रत्यक्ष समर्थन के जरिए किसानों का सशक्तिकरण

मूल रूप से,पीएम–किसान योजना पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की सहायता प्रदान करती है। यह सहायताराशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के जरिए 2,000 रुपये की तीन बराबरकिस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में जमा की जाती है। इस सुव्यवस्थित एवंतकनीक–संचालित कदम से बिचौलियों की भूमिका, लाभ मिलने में होने वाली देरी और त्रुटि की गुंजाइशखत्म होतीहै और एक–एक पाई इच्छित लाभार्थी तक पहुंचना सुनिश्चित होता है। इस योजना की शुरुआत से लेकर अब–तक,कुल 3.69 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों को हस्तांतरित की जा चुकी है। इस प्रकार, पीएम–किसान दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल रूप से क्रियान्वित नकद हस्तांतरण कार्यक्रमों में से एक बन गया है। आंकड़ों से परे, यह कदम सब्सिडी से हटकर सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ने संबंधीएक बदलाव का प्रतीक है।बातचाहे बीज की हो या उपकरण या शिक्षा या फिर स्वास्थ्य की, इस योजना से किसानों को यह तय करने की आजादी मिलती है कि वे इस सहायता का सबसे बेहतरइस्तेमाल कैसे करें।

भारत के छोटे किसानों के हित में एक परिवर्तनकारी कदम

दो हेक्टेयर से कम जमीन वाले भारत के 85प्रतिशत से अधिक किसानों के लिए ये लाभ बुवाई या कटाई के मौसम में एक अहम आर्थिक सेतु का काम करते हैं। ये लाभ अल्पकालिक नकदी प्रवाह के तनाव को कम करते हैं, अनौपचारिक ऋण पर निर्भरता में कमीलाते हैंऔर संकट के समय एक सुरक्षा कवच प्रदान करते हैं।

वित्तीय सहायता से कहीं बढ़कर, पीएम–किसान योजना समावेशिता, सम्मान और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में एक भागीदार के रूप में किसान की मान्यता का प्रतीक है।

डिजिटल शासन की श्रेष्ठता

पीएम–किसान की सफलता का श्रेय भारत के मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे को जाता है। जेएएम की तिकड़ी –जन धन बैंक खाते, आधार बायोमेट्रिक पहचान और मोबाइल कनेक्टिविटी – ने बड़े पैमाने पर लाभ के निर्बाध वितरण को संभव बनाया है। स्व–पंजीकरण से लेकर भूमि स्वामित्व के सत्यापन और डीबीटी द्वारा समर्थ भुगतान तक, इस पूरी योजना का जीवनचक्रडिजिटल है। राज्य सरकारों के सहयोग से, पीएम–किसान डिजिटल रूप से समन्वित तथा एक छोर से दूसरे छोर तक आसानी से पहुंचने वाले शासन के एक बेहतरीन मॉडल के रूप में कार्य करता है। इसने विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में भूमि अभिलेखों, लाभार्थियों के डेटाबेस और भुगतान प्रणालियों को सफलतापूर्वक समन्वित किया है औरइससे दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में किसान–केन्द्रित एक उत्तम संरचना का निर्माण हुआ है। पीएम किसान ने कृषि से जुड़े इकोसिस्टम में किसान ई–मित्र वॉयस–आधारित चैटबॉट और एग्री स्टैक जैसी नवीन परियोजनाओं को भी प्रेरित किया है। एग्रीस्टैक व्यक्तिगत, समय पर और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार है, जिससे भारतीय कृषि भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार हो सके।

वैश्विक मानकों की स्थापना

दुनिया भर में, प्रत्यक्ष लाभ कार्यक्रमों को गरीबी उन्मूलन के कारगर साधनों के रूप में तेजी से मान्यता मिल रही है। फिर भी, पीएम–किसान की कुछ अनूठी विशेषताएं हैं –इसका विशाल आकार, गति और डिजिटल विश्वसनीयता इसे बिखरी हुई कृषि सहायता प्रणालियों में सुधार के लिए प्रयासरत देशों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बनाती है। आईएफपीआरआई, एफएओ, आईसीएआर और आईसीआरआईएसएटीजैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने छोटे किसानों की आय बढ़ाने, ऋण की सुलभता में सुधार, असमानता को कम करने और आधुनिक कार्यप्रणालियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में पीएम किसान की भूमिका पर प्रकाश डाला है। कई देशों में जारी सशर्त हस्तांतरण के उलट, इसका विश्वास–आधारित वबिना शर्त वाला दृष्टिकोण, सहभागी एवंसम्मान–आधारित कल्याणकारी वितरण की दिशा में एक बड़ी छलांग है।

ग्रामीण विकास को गति देना

पीएम–किसान का सकारात्मक प्रभाव केवल व्यक्तिगत लाभार्थियों तक ही सीमित नहीं है। इसके तहत होने वाले अनुमानित नकदी प्रवाह ने ग्रामीण बाजारों को पुनर्जीवित किया है, कृषि–उत्पादों की मांग को प्रोत्साहित किया है और घरेलू उपभोग के पैटर्न को मजबूत किया है। इसने महिलाओं को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, खासकर उन मामलों में जहांबैंक खाते संयुक्त रूप से खोले जाते हैं। इसके अलावा, यह एक समग्र और परस्पर संबद्ध ग्रामीण विकास इकोसिस्टम का निर्माण करके मृदा स्वास्थ्य कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम फसल बीमा योजना और ई–नाम जैसी अन्य प्रमुख योजनाओं का पूरक है। किसानों के लिए एक पेंशन योजना, पीएम–किसान मानधन योजना के साथ इसका एकीकरण, भारत के कृषि कार्यबल के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल बनाने की दिशा में एक अहम कदम है।

बिंदिया के बाहुबली का ट्रेलर रिलीज, सौरभ शुक्ला– रणवीर शौरी बने गैंगस्टर कॉमेडी का हिस्सा

सौरभ शुक्ला और रणवीर शौरी कई कॉमेडी फिल्मों में रंग जमा चुके हैं, साथ ही क्राइम स्टोरीज वाली फिल्मों का भी हिस्सा रहे हैं। अब ये दोनों एक्टर्स एक डॉर्क गैंगस्टर कॉमेडी में साथ नजर आएंगे। इनकी जल्द रिलीज होने वाली सीरीज 'बिंदिया के बाहुबलीझ् का ट्रेलर भी सामने आ चुका है।

सीरीज 'बिंदिया के बाहुबलीझ् का ट्रेलर रिलीज किया गया। ट्रेलर में एक दावन परिवार है, जो बिंदिया नाम की एक जगह के बाहुबली हैं। सीरीज में दावन परिवार के मुखिया यानी बड़ा दावन जब अपना पॉलिटिकल करियर शुरू करना चाहता है तो पुलिस उसे गिफ्तार कर लेती है। अब परिवार बड़े दावन को कैसे जेल से निकालेंगे? इसी पूरे प्लानिंग में कई उल्टी–सीधी घटनाएं होती हैं, जो कॉमेडी का तड़का सीरीज में लगाती हैं। अपने किरदार बड़ा दावन के बारे में बात करते हुए सौरभ शुक्ला कहते हैं, 'यह सीरीज एक ऐसे परिवार की कहानी कहती है, जो सत्ता की चाहत रखता है। मेरा किरदार बड़ा दावन एक तरफ अपने ही रिश्तेदारों से डरता है। साथ ही वे लोग उसका सम्मान भी करते हैं। यही बातें सीरीज में कॉमेडी पैदा करती हैं। सीरीज 'बिंदिया के बाहुबलीझ् मुझे इसलिए पसंद आई क्योंकि यह इंसानी स्वभाव को असल तरीके से दिखाती है। इसके किरदार खुद को सीरियस नहीं लेते हैं।

51 साल की मलाइका अरोरा ने पिंग बिकिनी पहन दिए किलर अंदाज में पोज

मलाइका अरोरा बॉलीवुड की फिट एंड ग्लैमरस एक्ट्रेस में से एक हैं। मलाइका अपनी हॉट एण्ड बोल्ड तस्वीरों से इंटरनेट पर तहलका मचा देती हैं। 51 साल की उम्र में भी वह अपने किलर अंदाज से फैंस को घायल कर देती हैं।

मलाइका इन दिनों इटली में वेकेशन एंजॉय कर रही हैं। इस बीच उन्होंने पिंग बिकिनी में अपनी कुछ सुपर बोल्ड तस्वीरों से सोशल मीडिया पर लहलका मचा दिया हैं। तस्वीरों में मलाइका पिंग बिकिनी और मैचिंग सरोंग पहने कभी मिरर के सामने सेल्फी लेती तो कभी स्विमिंग पूल किनारें पोज देती नजर आ रही हैं। मलाइका ने मिनिमल मेकअप, लिंपग्लॉस और बालों का बन बनाकर अपना लुक कम्प्लीट किया हैं। एक्ट्रेस अपना टोन्ड फिगर और क्लीवेज फ्लांट करती दिख रही हैं।

टेस्ट क्रिकेट: 21वीं सदी में सबसे कम पारियों में 10 शतक लगाने वाले बल्लेबाज

नईदिल्ली,इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ ओवल टेस्ट की दूसरी पारी में शतक लगाया। एंडरसन–तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में यह उनका दूसरा शतक रहा। इसके साथ–साथ यह उनके टेस्ट करियर का कुल 10वां शतक रहा। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में अब तक प्रभावित किया है। इस बीच 21वीं सदी में सबसे कम पारियों में 10 शतक लगाने वाले बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं।

हैरी ब्रूक ने अपने 10 टेस्ट शतक पूरे करने के लिए 50 पारियों का सहारा लिया। ब्रूक ने अपना पहला टेस्ट मैच दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ साल 2022 में खेला था। उन्होंने 30 टेस्ट खेले हैं और इसकी 50 पारियों में लगभग 60 की औसत से 2,800 से ज्यादा रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 10 शतक के अलावा 13 अर्धशतक भी निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 317 रन है।

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के शीर्षक्रम के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने 51 पारियों में अपने टेस्ट करियर का 10वां शतक लगाया था। उन्होंने वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के विरुद्ध दिसंबर 2022 में एडिलेड टेस्ट में यह शतकीय पारी खेली थी। अपने अब तक के टेस्ट करियर में उन्होंने 58 मैच खेले थे, जिसमें 46.19 की औसत के साथ 4,435 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 215 रन के सवोच्च स्कोर के साथ 11 शतक और 23 अर्धशतक लगाए हैं।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज केविन पीटरसन ने 56 पारियों में अपने 10 टेस्ट शतक पूरे किए थे। वह अपनी आक्रमक बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाते थे। पीटरसन ने इंग्लैंड की ओर से 104 टेस्ट खेले, जिसमें 47.28 की औसत के साथ 8,181 रन बनाए थे। इस बीच उनके बल्ले से 23 शतक और 35 अर्धशतक निकले थे। उन्होंने एशेज 2014 के दौरान अपना आखिरी टेस्ट खेला था। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एंड्र्यू स्ट्रॉस और पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने भी अपने 10 टेस्ट शतक पूरे करने के लिए 56–56 पारियों का सहारा लिया था। स्ट्रॉस ने अपने टेस्ट करियर का अंत 40.91 की औसत के साथ 7,037 रन के साथ किया था, जिसमें 21 शतक शामिल थे।

शूटिंग, मम्मी ड्यूटी और नींद की कमी... देबिना ने बताया इन दिनों कैसी चल रही है जिंदगी

टीवी की मशहूर जोड़ी देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी जल्द ही नए कपल रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा में नजर आएंगे। इस बीच देबिना ने अपनी जिंदगी की एक झलक सोशल मीडिया पर साझा की। देबिना ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की और बताया कि उनकी जिंदगी इन दिनों शूटिंग, मम्मी की ड्यूटी, और काम के बीच फंसी है। उन्होंने लिखा, आजकल मेरी जिंदगी शूटिंग, नींद की कमी, मां के फर्ज, तैयार होना और काम पर जाना जैसी चीजों से भरी हुई है। थकी हुई? हां, लेकिन उत्साहित हूं और आभारी भी हूं। देबिना और गुरमीत की शादी 2011 में हुई थी, लेकिन कपल 2021 में दोबारा शादी के बंधन में बंधे थे। उनकी पहली बेटी अप्रैल 2022 में और दूसरी बेटी नवंबर 2022 में पैदा हुईं। देबिना ने से खास बातचीत करते हुए बताया था कि इस शो में हिस्सा लेने की सबसे बड़ी वजह यह है कि उन्हें रोजाना गुरमीत के साथ काम करने का मौका मिलेगा।

पाकिस्तान ने तीसरे टी–20 मैच में वेस्टइंडीज को हराया, 2–1 से जीती सीरीज

नईदिल्ली, पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने तीसरे और आखिरी टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैच में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम को 13 रन से हराते हुए सीरीज को 2–1 से अपने नाम किया। फ्लोरिडा में हुए मैच में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के बाद 189/4 का स्कोर बनाया। जवाब में मेजबान टीम एलिक एथानाजे और शेरफेन रदरफोर्ड के अर्धशतकों के बावजूद 176/6 का स्कोर ही बना सकी। आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान (74) और सैम अयूब (66) ने अर्धशतक लगाए और पहले विकेट के लिए 138 रन की साझेदारी की। फरहान और अयूब के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका और इसके बावजूद मेहमान टीम ने अच्छा स्कोर बनाया। जवाब में कैरेबियाई टीम से ज्वेल एंड्रयू (24) के जल्दी आउट होने के बाद एथानाजे और रदरफोर्ड ने अर्धशतक लगाकर संघर्ष किया, लेकिन जीत नहीं दिला सके। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने अपने टी–20 अंतरराष्ट्रीय करियर का तीसरा अर्धशतक लगाया। वेस्टइंडीज के खिलाफ उनका पहला अर्धशतक रहा। वह 53 गेंदों में 3 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 74 रन बनाकर आउट हुए। यह उनका सवोच्च व्यक्तिगत स्कोर भी है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अब तक 15 टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 21.00 की औसत और 127.01 की स्ट्राइक रेट के साथ 315 रन बनाए हैं। सैम अयूब ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना दूसरा अर्धशतक लगाया। उन्होंने 49 गेंदों में 4 चौकों और 2 छक्के की मदद से 66 रन बनाए। अच्छी बल्लेबाजी कर रहे अयूब ऑलराउंडर जेसन होल्डर की गेंद पर आउट हुए। उनके नाम अब 36 मैचों की 34 पारियों में 22.0 की औसत और 137.15 की स्ट्राइक रेट के साथ 705 रन बनाए। वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 पारियों में 135.41 की स्ट्राइक रेट से 130 रन बनाए। चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए एलिक एथानाजे ने अपने टी–20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला अर्धशतक 31 गेंदों में पूरा किया। उन्होंने 40 गेंदों पर 60 रन बनाए। अपनी इस अर्धशतकीय पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके और 1 छक्का लगाया। वह सैम अयूब की गेंद पर खुशदिल शाह को कैच दे बैठे।

एक नजर

मंत्री ने रोपा पौधा, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : आजादी के अमृत महोत्सव के तहत थलीसैंण क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत ने राजकीय इंटर कॉलेज कपरौली में पौध रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सोमवार को राजकीय इंटर कॉलेज कपरौली में आयोजित कार्यक्रम में छात्रों द्वारा देशभक्ति और पर्यावरण संरक्षण को समर्पित एक प्रेरणादायक प्रदर्शनी प्रस्तुत की गई। जिसमें स्वतंत्रता संग्राम, राष्ट्रीय ध्वज के गौरवशाली इतिहास और अमर शहीदों के बलिदान को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य वंदना रौथाण, आनंद नेगी, राकेश ममगांई, सुरेंद्र सिंह नेगी, विजय रौथाण, मनोज रमोला, पुष्पेंद्र भंडारी, दिलीप सिंह नेगी, रजनी रावत, वर्षा रावत आदि मौजूद रहे।

पन्द्रह आवारा पशुओं को गोशाला में किया शिफ्ट

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : शहर में आवारा पशुओं की समस्या के समाधान को लेकर नगर पालिका परिषद पौड़ी द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। अभी तक शहर के विभिन्न जगहों से 15 आवारा पशुओं को सर्किट हाउस स्थित द्वारीधार गोशाला में शिफ्ट किया गया है।

नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी शांति प्रसाद जोशी ने जानकारी बताया कि सर्किट हाउस में नगर क्षेत्र में किसी भी बीमार या असहाय पशु की सूचना मिलने पर उसे तत्काल गोशाला में शिफ्ट किया जाता है। हाल ही में त्रिशूल पार्क के पास पूल्ड हाउस क्षेत्र में एक बीमार गाय की सूचना पर तत्काल उसे उपचार किया गया और गाय को गोशाला में पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि गोशालाओं में समय-समय पर पशु चिकित्सा विभाग की टीम द्वारा आकर पशुओं का उपचार किया जाता है। बताया कि अभी शहर से 15 आवारा गोवंशों को गोशाला में शिफ्ट किया गया है।

बम-बम भोले के जयकारों से गूंजे शिवालय

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सावन के तीसरे सोमवार के अवसर पर शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। भक्त भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने और जलाभिषेक करने के लिए मंदिरों में आ रहे थे। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से शिवालय गूंज रहे थे। सावन के सोमवार को शहर के शिवालयों में बारिश के बावजूद सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सोमवार को शहर के क्यूंकालेश्वर, लक्ष्मीनारायण मंदिर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। बारिश के बावजूद दिन भर शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। कल्जीखाल के थानेश्वर, गगवाडस्यू घाटी के देवलेश्वर मंदिर में भी सुबह से श्रद्धालुओं का आना जाना लगा रहा। इस दौरान श्रद्धालुओं ने शिवालयों पर जल चढ़ाकर पूजा-अर्चना की।

पालिका का भवन तैयार, लाइसेंस का इंतजार

श्रीनगर गढ़वाल : नगर पालिका पौड़ी द्वारा पौड़ी-श्रीनगर रोड पर बनाए गए स्लॉटर हाउस का संचालन अब तक शुरू नहीं हो पाया है। भवन निर्माण को एक साल से ज्यादा समय हो चुका है, लेकिन अब तक जरूरी लाइसेंस और विभागीय मंजूरियों के अभाव में यह महज एक खाली ढांचा बनकर रह गया है। नगर पालिका की ओर से स्लॉटर हाउस का निर्माण पशु कटान को व्यवस्थित और स्वच्छ तरीके से संचालित करने के उद्देश्य से किया गया था। भवन तो समय पर बनकर तैयार हो गया, लेकिन संचालन से पहले जरूरी लाइसेंस की प्रक्रिया में देरी हो रही है। पालिका के अधिशासी अधिकारी एसपी जोशी ने बताया कि स्लॉटर हाउस के संचालन के लिए जिला उद्योग केंद्र से लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया चल रही है। इस संबंध में पत्राचार किया जा चुका है। साथ ही प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) से एनओसी के लिए भी संपर्क किया गया है। लंबा इंतजार, जनता को नहीं मिल रही सुविधा स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर में स्लॉटर हाउस की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी।

7 अगस्त से होगी काउंसलिंग

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल केंद्रीय विवि के बिड़ला, पौड़ी, टिहरी परिसर में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए सीयूईटी-यूजी की मेरिट सूची जारी होना शुरू हो गई है। इसके लिए विवि ने विज्ञान, कला एवं कॉमर्स में अलग-अलग प्रवेश समितियों का गठन किया है, जो जल्द ही मेरिट सूची तैयार कर काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू करेगी। गढ़वाल विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपीएस गुसांई ने बताया कि स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के लिए मेरिट बननी शुरू हो गई है।

खतरनाक हुआ राष्ट्रीय राजमार्ग का सफर, डेंजर जोन पड़ सकते हैं भारी

सोमवार को बारिश के दौरान कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर बना रहा खतरा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बरसात के दौरान कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग का सफर चुनौती बन गया। सोमवार को जगह-जगह पहाड़ी से बोल्डर गिर रहे थे। साथ पांचवे मील के समीप बरसाती रपटा भी उफान पर बना हुआ था। ऐसे में कई वाहन चालक अपनी जान की परवाह किए बिना रपटे को पार करने का प्रयास कर रहे हैं। रपटे में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब दो स्कूटी सवार उसे पार करने का प्रयास कर रहे थे और अचानक ऊपर से बोल्डर लुढकने लगा।

पांचवे मील के समीप बरसाती रपटे को पार करने का प्रयास करते स्कूटी चालक

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर दस से अधिक डेंजर जोन बने हुए हैं। ऐसे में जब सोमवार को बारिश के दौरान इन डेंजर जोन ने सफर करने वालों की चुनौती बढ़ा दी। पूरे सफर के दौरान वाहन चालकों की सांसे अटकी हुई थी। पांचवे मील के समीप बरसाती रपटे को वाहन चालक जबरन पार करने का प्रयास कर रहे थे। जबकि, गत वर्षों में उक्त स्थान पर कई घटनाएं भी हो चुकी है। सोमवार को बारिश के दौरान दो स्कूटी सवार रपटे को पार करने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान ऊपर से बोल्डर लुढ़कने लगा। पास में खड़े लोगों ने स्कूटी चालकों को सर्तक किया। जिसके बाद स्कूटी सवार वहां से भागे। दरअसल, राष्ट्रीय राजमार्ग पिछले दो वर्षों से बदहाल बना हुआ है। कई स्थानों पर राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा ही गायब है। ऐसे में बरसात के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग का सफर और अधिक डरावना हो गया है।

नहीं पहुंची सिद्धबली जनशताब्दी एक्सप्रेस, पैसेंजर भी हुई रद्द

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मैदानी क्षेत्रों में हुई बारिश का असर ट्रेन सेवा पर भी देखने को मिला। सोमवार को नजीबाबाद रेलवे स्टेशन के ट्रेक पर पानी भरने के कारण सिद्धबली जनशताब्दी एक्सप्रेस कोटद्वार नहीं पहुंच पाई। साथ ही पैसेंजर ट्रेने भी रद्द हो गई।

दिल्ली से कोटद्वार आने वाली सिद्धबली जनशताब्दी एक्सप्रेस लगभग 12.46 पर ट्रेन नजीबाबाद रेलवे स्टेशन में पहुंच गई थी। लेकिन, भारी वर्षा के कारण नजीबाबाद रेलवे स्टेशन के ट्रेक पर पानी भर गया था। जिसके कारण ट्रेन कोटद्वार के लिए रवाना नहीं हो पाई और नजीबाबाद स्टेशन में खड़ी रही। कोटद्वार रेलवे स्टेशन में ट्रेन पकड़ने के लिए बड़ी संख्या में यात्री पहुंचे हुए थे। निर्धारित समय 1.55 पर जब ट्रेन स्टेशन में नहीं पहुंची तो कोटद्वार स्टेशन प्रबंधक ने यात्रियों को ट्रेन रद्द होने की सूचना दी। जिसके बाद दिल्ली सहित अन्य रूट पर जाने वाले यात्रियों ने बस व अन्य वाहनों से सफर किया। वहीं, नजीबाबाद में ट्रेक पर जमा पानी कम नहीं होने के कारण नजीबाबाद-कोटद्वार के मध्य शाम के समय संचालित होने वाली पैसेंजर ट्रेन भी रद्द हो गई थी।

छात्र संसद में चुने गए पदाधिकारी

अनुज अध्यक्ष व विकास बनें उपाध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्री ज्वाल्पा धाम संस्कृत विद्यालय में छात्र संसद का गठन कर लिया गया है। छात्र संसद में अनुज भारद्वाज को अध्यक्ष और विकास बहुगुणा को उपाध्यक्ष चुना गया। इस संबंध में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में छात्र संसद का गठन करते हुए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के अलावा सूरज गोदियाल को क्रीड़ा प्रभारी, अतुल कुकरेती को छात्रावास प्रभारी व राहुल मुंडेपी को सांस्कृतिक प्रभारी चुना गया। साथ ही साहिल चमोला को मंदिर प्रभारी का दायित्व दिया गया। तत्पश्चात प्रधानाचार्य दिनेश लाल ने सभी पदाधिकारियों को पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर हरेन्द्र मोहन, कालिका प्रसाद, प्रदीप थपलियाल, पवन नौडियाल और स्वाति नेगी आदि शिक्षकों सहित प्रबंधक राजेश प्रकाश थपलियाल मौजूद रहे।

कोटद्वार में आफत बनकर टूटी बारिश, खोह नदी में बही सुरक्षा दीवार की नींव

खोह नदी में ढहा सुरक्षा दीवार का हिस्सा

कोटद्वार में बारिश के दौरान ऊफान पर बहता पनियाल गदेरा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रविवार दोपहर से चल रही बारिश कोटद्वार क्षेत्र में आफत बनकर टूटी। क्षेत्र में बहने वाले नदी-नाले ऊफान पर आने से लोगों की आंखों से नींद गायब हो गई। पनियाली गदेरे के ऊफान पर आने से आसपास के लोगों ने अन्यत्र शरण ली। वहीं, रतनपुर क्षेत्र में हाल ही में बनी सुरक्षा दीवार का एक हिस्सा ढह गया।

रविवार दोपहर से शुरु हुई बारिश सोमवार को भी जारी रही। इसके कारण खोह, मालन व सुखरो नदी के साथ ही पनियाली गदेरा भी ऊफान पर बहने लगा। नदी के ऊफान से खोह नदी में करोड़ों रूपए की लागत से बनी सुरक्षा दीवार का एक हिस्सा ढह गया है। विगत वर्ष आई भीषण आपदा के बाद लोक निर्माण विभाग ने खोह नदी पर सुरक्षा दीवार का निर्माण करवाया था।

नदी के वेग से आसपास के क्षेत्र में भू-कटाव भी देखने को मिला। पनियाली गदेरे के आसपास रहने वाले परिवारों की नजर पूरी रात गदेरे के वेग पर ही बनी हुई थी। आमपड़ाव व कौड़िया क्षेत्र में कई लोगों ने रात के समय अन्यत्र शरण ली। रतनपुर-कुंभीचौड़ क्षेत्र में स्थित बहेड़ास्रोत में पानी लगातार बढ़ता ही जा रहा था। जिसके कारण रतनपुर क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। आबादी क्षेत्र में पानी घुसने की आशंका के लिए क्षेत्र के लोग पूरी रात सोए नहीं। गत वर्ष बरसात के दौरान उक्त स्थानों पर भारी तबाही मची थी।

छात्र-छात्राओं ने सीखे नवाचार और कुशल उद्यमी बनने के गुर

आईएचएमएस कॉलेज की ओर से आयोजित की गई कार्यशाला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पीटेलिटी, मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) कॉलेज की ओर से नवाचार और उद्यमिता आउटरीच कार्यशाला का अयोजन किया गया। आईआईसी के तहत आयोजित इस कार्यशाला में एमकेवीएन स्कूल के छात्र-छात्राओं को नवाचार और कुशल उद्यमी बनने के गुर सिखाए गए।

आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी

विद्यालय के सभागार में आयोजित समारोह में आईएचएमएस के आईआईसी संयोजक असिस्टेंट प्रो. वेद प्रकाश राठौर ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की ओर से नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने और छात्रों को सफल उद्यमी बनाने के लिए इस प्रकार की कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने अपने संबोधन में छात्रों को नवाचार और स्टार्टअप के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि एक आइडिया युवाओं के जीवन में बड़ा बदलावा ला सकती है। कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार युवाओं को उनके आधुनिक और चमत्कारी नवाचार को बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार से आर्थिक सहायता कर रही है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नए अविष्कारों को मेक इन इंडिया अभियान के तहत बढ़ावा देने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं को नए अविष्कारों से आज बड़ी कंपनी खड़ा करने वाले कई नामी युवा उद्योगपतियों के उदाहरण दिए। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं से एक कागज पर समाज हित में उनके आइडिया प्रस्तुत करने को कहा गया, जिसमें बेहतर आइडिया के लिए उन्हें पुरस्कृत भी किया गया। असिस्टेंट प्रो. वेद प्रकाश ने छात्रों को समाज के हित में नए अविष्कार करने की अपील की। इस अवसर पर आईएचएमएस कालेज के जनसंपर्क अधिकारी नरेश थपलियाल, असिस्टेंट प्रोफेसर अंकित कुकरेती,

एमकेवीएन स्कूल के डायरेक्टर एडमिन विपिन जदली सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

पिता की डांट से क्षुब्ध होकर घर से चला गया था बालक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कौड़िया क्षेत्र में दो दिन से लापता चल रहा बालक रायवाला पहुंच गया। पुलिस के अनुसार अपने पिता की डांट से क्षुब्ध होकर बालक घर से चला गया था।

राजकीय इंटर कालेज कोटद्वार में कक्षा सात में पढ़ने वाला अरूण दो दिन पूर्व स्कूल पढ़ने के लिए गया हुआ था। लेकिन, देर शाम तक भी वह घर वापस नहीं लौटा। अरूण के पिता सतीश कुमार ने पुलिस को गुमशुदगी की तहरीर दी। जिसके बाद पुलिस ने बच्चे की तलाश शुरू कर दी थी। विद्यालय के आसपास के साथ ही कौड़िया क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया। लेकिन, अरूण का कुछ पता नहीं चल पाया।

सोमवार सुबह अरूण के पिता सतीश को फोन से सूचना मिली कि उनका पुत्र रायवाला रेलवे स्टेशन में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम बालक को लाने के लिए रायवाला रवाना हो गई। बाजार चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक राजविक्रम सिंह ने बताया कि पिता की डांट से क्षुब्ध होकर अरूण ट्रेन से नजीबाबाद पहुंचा और यहां से रायवाला जाने वाली ट्रेन में सवार हो गया। बालक सकुशल बरामद हो गया है।

शहर वासियों को आवारा पशुओं से मिलेगी निजात

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पौड़ी शहर को जल्द ही आवारा पशुओं से निजात मिलने की उम्मीद जगी है। नगर पालिका की सिलेथ में लगभग 87 लाख लागत से गोशाला बनकर तैयार हो गई है। इस गोशाला में 170 पशुओं को रखा जा सकता है।

गोशाला के संचालन को लेकर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पौड़ी शहर में आए दिन आवारा पशुओं को लेकर शहरवासियों की शिकायतें भी आती रहती हैं। नगर पालिका के पास इससे पहले एक गोशाला थी और इसकी क्षमता भी केवल 35 पशुओं को रखे जाने की थी। आवारा पशुओं की समस्या को देखते हुए नगर पालिका पौड़ी ने इस गोशाला की क्षमता भी अब दुगनी कर दी है और इसमें अब 70 पशु आ सकते है। वहीं दूसरी ओर करीब 87 लाख लागत से सिलेथ में नगर पालिका ने गोशाला का निर्माण कर दिया है। गोशाला के संचालन को लेकर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

गोशाला में बिजली और पानी के कनेक्शन को लेकर संबंधित महकमों से पत्राचार किया गया है। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी एसपी जोशी ने बताया कि सिलेथ में बनी इस गोशाला में 170 पशु रखे जा सकते है। गोशाला के संचालन को लेकर भी कार्मिकों की तैनात पालिका स्तर से ही होनी है। इस पर भी जल्द निर्णय ले लिया जाएगा। साथ ही एक स्वयं सेवी संस्था का भी चयन किया जाना है, ताकि गोशाला का सफल संचालन वह कर सके इसको लेकर स्थानीय स्तर पर भी विचार-विमर्श किया जा रहा है।

जाति, आय एवं स्थायी निवास प्रमाण पत्रों के मामलों को लंबित न रखें : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राजस्व विभाग की मासिक स्टाफ समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने नियम विरुद्ध भूमि खरीदने वाले बाहरी व्यक्तियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। कहा कि बिजली, पानी, सड़क के मामलों में लापरवाही बरतने वाले अफसरों पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने जाति, आय एवं स्थायी निवास प्रमाणपत्रों के मामलों को लंबित न रखने, आपदा प्रबंधन से जुड़े मामलों में गंभीरता बरतने हुए क्षति का तत्काल आकलन कर मुआवजा वितरण के निर्देश दिए। सोमवार को जिला सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने उप जिलाधिकारियों को नियम विरुद्ध भूमि खरीदने वाले बाहरी व्यक्तियों पर कार्रवाई करने को भी कहा। कहा कि कार्यों की धरातलीय स्थिति व गुणवत्ता को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण करे। डीएम ने अपात्र व्यक्तियों के राशन कार्ड निरस्त कर आवश्यकतानुसार एफआईआर दर्ज करने के निर्देश भी अफसरों को दिए।

भक्तों ने शिवालयों में किया रुद्राभिषेक

श्रीनगर गढ़वाल : सावन के तीसरे सोमवार को भारी बारिश के बावजूद नगर क्षेत्र के शिवालयों में जल चढ़ाने के लिए भक्तों में भारी उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही भक्त लंबी कतारों में खड़े होकर जलाभिषेक के लिए प्रतीक्षा करते नजर आए। श्रीनगर स्थित कमलेश्वर महादेव मंदिर, नागेश्वर महादेव मंदिर, कटकेश्वर महादेव मंदिर और चौरास क्षेत्र के किलकिलेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता दिनभर लगा रहा।

प्रधानाचार्य सीधी भर्ती के खिलाफ शिक्षकों की 10 से हड़ताल

देहरादून। राजकीय शिक्षक संघ से जुड़े माध्यमिक शिक्षकों ने 10 अगस्त से चॉकडाउन हड़ताल का ऐलान किया है।

संघ प्रधानाचार्य के पदों पर पदोन्नति और सीधी भर्ती प्रक्रिया को निरस्त करने की मांग कर रहा है। कैबिनेट ने पिछले दिनों माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य के 50 फीसदी पदों पर सीधी भर्ती के लिए संशोधित नियमावली को मंजूरी दी थी। इसके बाद राज्य लोक सेवा आयोग को स्थगित भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के लिए पत्र भी भेजा जा चुका है। राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में प्रधानाचार्यों के रिक्त पदों को पदोन्नति से भरने के लिए राजकीय शिक्षक संघ ने दबाव बनाना शुरू कर दिया है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष राम सिंह चौहान ने कहा कि हम लोगों ने हर स्तर पर अपनी बात रख दी है। जब कैबिनेट ने मंजूरी दी थी, तब शिक्षा मंत्री से मिलकर अपनी आपत्ति जता चुके थे। राजकीय शिक्षक प्रधानाचार्य के पदों पर पदोन्नति चाहते हैं। हम सीधी भर्ती प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। क्योंकि इससे वरिष्ठता पूरी तरह नजरअंदाज होगी। लेकिन पदोन्नति करने के बजाए आयोग से भर्ती शुरू करने का आग्रह सरकार की ओर से किया गया है। हमनें पंचायत चुनाव का वक्त दिया था।

अब 10 अगस्त से राजकीय शिक्षक संघ से जुड़े सभी शिक्षक चॉकडाउन हड़ताल पर जा रहे हैं। क्योंकि शिक्षकों के हित में कोई भी फैसले नहीं लिए जा रहे हैं। संघ की मांग है कि सीधी भर्ती को निरस्त कर पदोन्नति प्रक्रिया को तत्काल शुरू किया जाए। राम सिंह चौहान का कहना है कि इन दो मांगों के अलावा शिक्षक तबादलों की मांग भी कर रहे हैं, मौजूदा सत्र में अभी तक शिक्षकों के तबादले नहीं हो पाए हैं। समर्थक शिक्षक करेंगे शिक्षा मंत्री का सम्मान प्रधानाचार्य सीधी भर्ती समर्थक मंच के संयोजक कमलेश मिश्रा ने कहा कि हम पदोन्नति के विरोधी नहीं है, लेकिन पहले जूनियर हाईस्कूलों में प्रधानाचार्य के पद पदोन्नति से भरे जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि सीधी भर्ती नियमावली में संशोधन से ज्येष्ठता के साथ श्रेष्ठता को मौका देने के निर्णय पर 15 अगस्त के बाद शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत का सम्मान करने जा रहे हैं। उन्होंने नियमावली में संशोधन से राज्य के 15 हजार शिक्षकों को श्रेष्ठता के आधार पर पदोन्नति का मौका मिलने जा रहा है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, पाबौं

पत्रांक 1172/12ए0सी0 | दिनांक 02/08/2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड की ओर से अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड लो0नि0वि0 पाबौ द्वारा निम्नलिखित कार्यो की शील्ड निविदा दिनांक 12-08-2025 को आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 6-08-2025 से 11-08-2025 तक किसी भी कार्य दिवस में निम्न कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते हैं तथा दिनांक 12-08-2025 अपरान्हन 3.00 बजे तक इन्हीं कार्यालयों में डाली जा सकती है। निविदा दिनांक 13-08-2025 को अपरान्हन 3.30 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

निविदा विक्रय एवं प्राप्त करने वाले कार्यालयों के नामः-

1. कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, 12वां वृत्त लो0नि0वि0, पौड़ी।
2. कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, नि0ख0 लो0नि0वि0, पाबौं।
3. कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, नि0ख0 लो0नि0वि0, पौड़ी।
4. कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, अ0ख0 लो0नि0वि0, कीर्तिनगर

क्रं0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि	निविदा का मूल्य	निविदा की वैद्यता	कार्य पूर्ण करने का समय	ठेकेदार की श्रेणी।
1.	निक्षेप कार्य के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के अन्तर्गत तहसील चौकीसैंण के भवन का अनुरक्षण कार्य।	60000.00	2000+18% GST	45 दिन	4 माह	डी एवं उच्चत्तर भवन कार्य में पंजीकृत

1. निविदा प्रपत्र के साथ वांछित धरोहर धनराशि एन0एस0सी0, डाकघर बचत बैंक पास बुक अथवा भारत में किसी अनुसूचित बैंक की जमा रसीद के रूप में, जो अधोहस्ताक्षरी के पदनाम से बंधक हो, लगाना आवश्यक है।
2. निविदा प्रपत्र के साथ 100.00 रू0 का स्टाम्प पेपर एवं रू0 1.00 का हस्ताक्षर युक्त रसीदी टिकट हो, वैद्यता की शर्तो के साथ लगाना अनिवार्य है, इसके बिना निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।
3. निविदा की शर्ते जी0पी0डब्लू0 9 निविदा प्रपत्र एम0एफ0 69/70 एवं शासनादेश संख्या 2611/111(2)07-75 सा0 दिनांक 26.10.2007 के अनुसार होगी, निविदा की अन्य शर्ते/नियम निविदा प्रपत्र प्राप्त कर देखी जा सकती है।

नोटः- निविदा प्रपत्र क्रय करते समय ठेकेदारों को पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पाबौ

संक्षिप्त समाचार

खतरे भवनों में चल रहे 146 स्कूल किए गए शिफ्ट

देहरादून। उत्तराखंड में खतरे वाले भवनों से स्कूलों को शिफ्ट करने की प्रक्रिया शिक्षा विभाग ने शुरू कर दी है। ऐसे 146 प्राइमरी स्कूलों को शिफ्ट कर दिया है। लगातार हो रही बरसात के बीच जो स्कूल खतरे की जद में आ रहे हैं, उनकी शिफ्टिंग के लिए, मुख्य शिक्षा अधिकारियों की जवाबदेही तय की गई है। वहीं, माध्यमिक स्कूलों में बंद पड़े पुराने भवनों को तोड़ने के आदेश भी जारी किए गए हैं। पिछले दिनों राजस्थान की घटना के बाद केंद्र के निर्देशों के बाद उत्तराखंड में भी स्कूल भवनों का सेफ्टी ऑडिट हो रहा है। इस बीच उत्तराखंड में जगह–जगह से जर्जर भवनों में पढ़ रहे छात्रों की तस्वीरें भी आ रही हैं। शिक्षा विभाग ऐसे सभी जर्जर स्कूलों को शिफ्ट कर रहा है। इन्हें किसी सरकारी या फिर किराए के भवनों में शिफ्ट किया जा रहा है। अपर निदेशक बेसिक शिक्षा पदमेंद्र सकलानी के मुताबिक 146 स्कूल शिफ्ट कर चुके हैं। जिन भी स्कूल भवनों को किसी तरह का खतरा है, उन्हें तत्काल शिफ्ट कर रहे हैं। पिछले दो दिन से हो रही बारिश में अगर कहीं किसी स्कूल भवन को खतरे की स्थिति पैदा हुई है तो उन्हें तत्काल शिफ्ट करने के लिए कहा गया है। इधर, माध्यमिक विद्यालयों में ऐसे सभी पुराने स्कूल भवनों के ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जहां इन भवनों को अब प्रयोग में नहीं लाया जा रहा है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ.मुकुल कुमार सती ने बताया कि माध्यमिक स्कूलों में यह बात सामने आ रही थी कि स्कूल की नई बिल्डिंग में चल रहा है, लेकिन परिसर में ही पुराना भवन जर्जर स्थिति में हैं और इनसे खतरे की स्थिति हो सकती है।

भाजपा ने शुरू किया ब्लॉक प्रमुख प्रत्याशियों का चयन

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी ने ब्लॉक प्रमुख प्रत्याशियों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए पार्टी ने पर्यवेक्षकों से रिपोर्ट मांगी है। उसके बाद एक दो दिन में ब्लॉक प्रमुख प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने सोमवार को बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत में पार्टी ने दमदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए आरक्षण पर स्थिति साफ होने के बाद प्रत्याशियों का चयन किया जाएगा। जबकि ब्लॉक प्रमुख पद के लिए प्रत्याशियों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनावों के लिए पार्टी की ओर से जो पर्यवेक्षक तैनात किए गए थे उनसे ब्लॉक प्रमुख प्रत्याशियों के संदर्भ में रिपोर्ट देने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि एक दो दिन में सभी जिलों से रिपोर्ट मिल जाएगी और उसके बाद प्रत्याशियों का ऐलान शुरू कर दिया जाएगा। महेंद्र भट्ट ने दावा किया गया राज्य के शत प्रतिशत ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी के ही होंगे।

जड़ी–बूटी दिवस के रूप में मनाया आचार्य बालकृष्ण का जन्मदिन

देहरादून। महिला पतंजलि योग समिति उत्तराखंड ने आचार्य बालकृष्ण का जन्मदिन जड़ी बूटी दिवस के रुप में मनाया। राजपुर रोड स्थित जीजीआईसी में पतंजलि योग पीठ की योगाचार्य सीमा जौहर के निर्देशन में साधक साधिकाओं ने जड़ी बूटी की जानकारी दी। बूटियों का वितरण करने के साथ ही औषधीय पौाधें का रोपण भी किया गया। सीमा जौहर ने बताया कि आचार्य बालकृष्ण आयुर्वेद की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इससे पहले प्रथम सत्र में योग शिविर का आयोजन किया गया। आचार्य बालकृष्ण की लंबी आयु के लिए यज्ञ अनुष्ठान किया गया। स्कूल में औषधीय सहजन, अश्वगंधा, पत्थर चट्टा, इंसुलिन, गुडमार, हर्शिंगार के पौधे लगाए गए। मौके पर रामप्यारी, कुसुम रॉय, संजीव चंदना, अरुणा गुप्ता, संगीता सेमवाल, अंजलि पंत, जोाना रौतेला, अंजू गोयल मौजूद थे।

आयुर्वेदिक कर्मचारियों का बंद किया जाए शोषण

देहरादून। उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन ने आयुर्वेदिक कर्मचारियों के उत्पीड़न पर विरोध जताया। अपर सचिव आयुर्वेद विजय कुमार जोगदंडे को ज्ञापन सौंप जिला आयुर्वेदिक अधिकारी यूएसनगर को हटाने की मांग की। सचिवालय में अपर सचिव से मुलाकात में उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन के साथ ही उत्तरांचल फेडरेशन आफ मिनिस्टीरियल सर्विसेज एसोसिएशन उत्तराखंड और आयुर्वेदिक मिनिस्टिरियल एसोसिएशन उत्तराखंड के पदाधिकारी भी शामिल रहे। प्रदेश अध्यक्ष सोहन सिंह रावत ने कहा कि कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया जा रहा है।

पूज्य सतगुरु लाल दास महाराज ने समाज को जोड़ने का किया काम : मुख्यमंत्री

ऋषिकेश–हरिद्वार कॉरिडोर का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को श्री ब्रह्म निवास आश्रम, सप्तसरोवर रोड, भूपतवाला में 50वाँ निर्वाण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूज्य सतगुरु लाल दास महाराज ने अपने जीवन में आध्यात्मिकता को प्राथमिकता देते हुए समाज को सेवा, सत्य और भक्ति के मार्ग पर चलने के लिए लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने भक्ति को जन-जन तक पहुंचाया है। उनकी वाणी में अद्भुत शक्ति थी और दृष्टि में भगवान बुद्ध के समान असीम करुणा थी। पूज्य सतगुरु ने समाज को जोड़ने का काम किया। उन्होंने जीवन भर यही सिखाया कि सेवा सबसे बड़ा धर्म है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में ऋषिकेश-हरिद्वार कॉरिडोर का निर्माण कराया जाना भी प्रस्तावित है। कॉरिडोर के निर्माण के पश्चात धर्मनगरी हरिद्वार भी काशी और अयोध्या की भांति अपने भव्य स्वरूप में नजर आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार उत्तराखंड के सांस्कृतिक मूल्यों और डेमोग्राफी को संरक्षित रखने के प्रति पूर्ण रूप से संकल्पबद्ध है। प्रदेश में घृणित मानसिकताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। प्रदेश में सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून भी लागू किया गया है। सभी के लिए समान अधिकार एवं न्याय सुनिश्चित करने के लिए देश में सबसे पहले समान नागरिक संहिता कानून को भी राज्य में लागू किया गया है। इस अवसर महंत ललितानंद गिरी महाराज, पंजाब विधानसभा उपाध्यक्ष जय कृष्ण सिंह, हरियाणा के राज्यमंत्री राजेश नागर, स्थानीय विधायक मदन कौशिक, मेयर रुड़की अनीता देवी, दर्जा राज्यमंत्री शोभाराम प्रजापति, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोबाल, उपाध्यक्ष एचआरडीए अंशुल सिंह, एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

प्राचीन कांकेश्वर महादेव मंदिर में की नंदी मूर्ति की स्थापना

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल के ग्राम कांसदेव में ग्रामवासियों एवं प्रवासियों बंधुओं द्वारा प्राचीन कांकेश्वर महादेव मंदिर में दो दिवसीय धार्मिक आयोजन हवन पूजा रुद्र पाठ के साथ सम्पन्न हुआ। इस मौके पर मंदिर परिसर में विभिन्न प्रजाति के 25 पौधों का रोपण किया गया। तीसरे सोमवार को ग्रामवासियों द्वारा मंदिर तक शिव ध्वजा यात्रा निकाली गई। मंदिर प्रांगण में नंदी मूर्ति का जलाभिषेक, प्राण प्रतिष्ठा, हवन, पूजा एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर के मुख्य पुजारी बिलेश्वर प्रसाद कुकरेती ने बताया कि क्षेत्र का पौराणिक कांकेश्वर महादेव मंदिर प्राचीन मंदिर है। ग्रामवासियों द्वारा सामूहिक सहभागिता से मंदिर का पुर्नजीर्णोद्धार कर मंदिर में नंदी महराज की स्थापना की गई। तीसरे सोमवार को भारी बारिश के बावजूद

श्रद्धालुओं में आस्था का सैलाब देखने को मिला। इस अवसर पर मंदिर आयोजन समिति द्वारा विधायक राजकुमार पोरी के जन संपर्क अधिकारी सुभाष रावत, नव निर्वाचित प्रधान थापला राकेश कुमार, प्रधान सुतारगांव श्रीपाल नेगी, समाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी को अंग वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लोकसभा से सेवानिवृत्त सहायक निदेशक धर्मादत्त थपलियाल, एसबीआई के पूर्व शाखा प्रबंधक विनोद डोभाल, प्रेम प्रकाश कुकरेती, सुरेश कुकरेती सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

18 अगस्त से शुरू होगी टीए भर्ती रैली

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : उत्तराखंड के ऐसे पूर्व सैनिक जो पर्यावरण वन मंत्रालय, जलवायु नियंत्रण अथवा राज्य वन विभाग में न्यूनतम बीस वर्ष की सेवा दे चुके हों उनके लिए सेना में विभिन्न पदों पर भर्ती होने का सुनहरा अवसर मिलने जा रहा है। 130 इन्फेंट्री बटालियन (टी.ए.) पर्यावरण कुमाऊं में आगामी 18 अगस्त से भर्ती रैली आयोजित की जाएगी।

130 इन्फेंट्री बटालियन (टी.ए.) पर्यावरण कुमाऊं पिथौरागढ़ के कमान अधिकारी ने उक्त आयोजित भर्ती के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 18 से 23 अगस्त तक आयोजित उक्त भर्ती 130 इंफैंट्री बटालियन (टी.ए.) पर्यावरण के बटालियन मुख्यालय पिथौरागढ़ में प्रातः 6 बजे से प्रारंभ होगी। बताया कि जिन पदों पर भर्ती की जानी है उनमें जूनियर कनिष्ठ अधिकारी, सिपाही (जी.डी., लिपिक, रसोइया, बढई, सफाई वाला, धोबी, दर्जी, उपकरण मरम्मत कर्ता, नाई, लोहार के पद शामिल हैं। अन्य आवश्यक अर्हताओं में अभ्यर्थी को उत्तराखंड राज्य का मूल निवासी होना आवश्यक है। इसके अलावा अन्य पात्रताओं जैसे चिकित्सा श्रेणी, चरित्र, वजन, ऊंचाई आदि मानकों को भी निर्धारित शर्तों के अनुरूप उत्तीर्ण करना होगा।

उन्होंने बताया कि इच्छुक भूतपूर्व सैनिक सेवा निवृत्ति बुक, पीपीओ की छायाप्रति, भूतपूर्व सैनिक पहचान पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो आदि के साथ भर्ती में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने पर्यावरण बटालियन में भर्ती होने के इच्छुक पूर्व सैनिकों से निर्धारित तिथि को वांछित दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने की अपील की है।

6 अगस्त से शुरू होगा प्रशिक्षण शिविर

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा एनआरएलएम स्वयं सहायता समूह की सदस्यों सहित स्थानीय ग्रामीण महिलाओं को महिला वस्त्र दर्जी प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए एसबीआई आरसेटी रुद्रप्रयाग में 06 अगस्त (बुधवार) से प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

आरसेटी के निदेशक केएस रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि 31 दिवसीय महिला वस्त्र दर्जी प्रशिक्षण में जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग कर प्रशिक्षणार्थियों का मार्ग दर्शन किया जाएगा। बताया कि प्रशिक्षण एसबीआई आरसेटी (पुराना विकास भवन) में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों से निर्धारित समयानुसार उपस्थित होने की अपील की है।

अफसर उच्च प्राथमिकता वाले कार्यों को शीघ्र करें : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में सोमवार को जिला खनिज फाउंडेशन न्यास के शासी परिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागों की ओर से प्रस्तुत प्रस्तावों का प्राथमिकता के आधार पर अनुमोदन किया गया। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, जल संस्थान, सिंचाई विभाग के उच्च प्राथमिकता वाले प्रस्तावों को लेकर चर्चा की गई।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को उच्च प्राथमिकता वाले कार्यों को शीघ्र करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी को सिमली अस्पताल के लिए प्रस्तावित योजना के तहत आवश्यक उपकरणों की खरीद शीघ्र करने के आदेश दिए। साथ ही नगर पंचायत पीपलकोटी के अधिशासी अधिकारी को नगर क्षेत्र में आपदा से प्रभावित भवनों सहित अन्य प्रस्तावित सुरक्षा कार्यों को तत्काल शुरू करने के भी निर्देश दिए। बैठक में विद्यालयों के सुधारीकरण और वर्तमान स्थिति की जानकारी न देने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को जन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यों में लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही। बैठक में खान अधिकारी अंकित चंद ने बताया कि जनपद के सभी विभागों की ओर से उच्च प्राथमिकता वाली 8 योजनाएं प्रस्तावित की गई हैं। जिनमें से शिक्षा विभाग की ओर से 125.3 लाख की चार, स्वास्थ्य विभाग की ओर से 38.93 लाख की दो, जल संस्थान और पेयजल निगम की ओर से 8.08 लाख की एक और सिंचाई विभाग की 19.80 लाख की एक योजना अनुमोदित की गई है। इसके साथ अन्य 8 योजनाओं के लिए 88.50 लाख की धनराशि अनुमोदित की गई है। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी डा. अभिषेक त्रिपाठी, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. अभिषेक गुप्ता, परियोजना निदेशक आनंद सिंह भाकुनी, मुख्य शिक्षा अधिकारी धर्म सिंह, अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग अरविंद नेगी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जिलाधिकारी ने किया जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने आज जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग का औचक निरीक्षण कर अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं का विस्तृत रूप से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागों में पहुंचकर मरीजों एवं चिकित्सकों से संवाद स्थापित किया तथा अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को निर्देशित किया कि मरीजों की सुविधा, स्वच्छता और चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी न आने पाए। कहा कि सभी विभागाध्यक्ष अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से पालन करें और स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता बनाए रखें।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को निर्देश दिए कि जनपद में संचालित ऐसे प्राइवेट अस्पतालों की सूची उपलब्ध कराई जाए जहां सर्जरी एवं सिजेरियन ऑपरेशन किए जाते हैं। उन्होंने सीएमओ को निर्देशित किया कि इन अस्पतालों का नियमित निरीक्षण किया जाए, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं मानकों का पालन सुनिश्चित हो सके। जिलाधिकारी ने अस्पताल में दवाइयों के भंडारण की स्थिति, एक्सपायर्ड दवाओं के निस्तारण की प्रक्रिया एवं संबंधित रजिस्ट्रेशन की जानकारी ली। उन्होंने ऑक्सीजन सिलेंडरों की उपलब्धता, रिफ्यूलिंग व्यवस्था तथा एम.जी.पी.एस. (मेडिकल गैस पाइपलाइन सिस्टम) की कार्य प्रणाली का भी निरीक्षण किया। ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में बेड की स्थिति, वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम एवं डिस्पोजल प्रक्रिया का भी विस्तृत निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने पैथोलॉजी विभाग में जाकर जांच-परीक्षण की व्यवस्था देखी और वहां मौजूद मरीजों से उनकी समस्याओं व सुझावों के संबंध में बातचीत की। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रवीण कुमार सहित संबंधित अधिकारी, अस्पताल प्रशासन आदि उपस्थित रहे।

राहुल गांधी की भारत विरोधी मानसिकता पर लगी सुप्रीम मुहर: भट्ट

देहरादून। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लेकर न्यायालय की सख्त टिप्पणी को राहुल की भारत विरोधी मानसिकता पर कोर्ट की मुहर बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस समेत विपक्षी नेताओं के बयान अक्सर सेना का मनोबल गिराने वाले होते हैं। भट्ट ने कहा कि चीन को लेकर राहुल गांधी की विवादित टिप्पणी पर आज जो सुप्रीम कोर्ट ने कहा भाजपा और देश की जनता वह लगातार कहती आ रही है। बिना तथ्य के बात कहना राहुल गांधी की पुरानी आदत है और इस पर अब न्यायालय ने भी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि बिना किसी सुबूत के चीन द्वारा हजारों एकड़ जमीन हड़पने की देशविरोधी बात कहना गलत है और इसीलिए कोर्ट ने भी नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ टिप्पणी की है।

मूसलाधार बारिश में भी डीएम के जनता दरबार पहुँचे फरियादी

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल की अध्यक्षता में प्रत्येक सोमवार की भांति इस सोमवार को भी क्लेक्ट्रेट सभागार में जनता दरवार लगाकर जन समस्याएं सुनी गई। जनता दरबार में पहुंचे अधिकांश फरियादियों ने भूमि और घेरलू विवाद के मामले प्रमुखता से रखे। इसके अतिरिक्त मुआवजा, आर्थिक सहायता, सड़क, पेयजल, एमडीडीए, नगर निगम, पुलिस, परिवहन, शिक्षा, रोजगार आदि से जुड़ी 116 समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखी। जिसमें से अधिकांश शिकायतों का जिलाधिकारी ने मौके पर निराकरण किया। जनसुनवाई में अरूण कुमार गोयल ने शिकायत की अेलमेड अस्पताल और उसके डॉक्टरों द्वारा झूठी डीओपीआर, झूठी जांच परीक्षण रिपोटी द्वारा मिली भगत से राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण देहरादून से झूठा बिल भुगतान प्राप्त किया है। मुख्य चिकित्साधिकारी देहरादून की जांच आख्या में वेलमेड अस्पताल के फर्जीवाडे के तथ्य उदघटित हुए हैं। उन्होनें डीएम ने से दोषियों को दण्ड देने का अनुरोध किया। जिस पर डीएम ने अपर जिलाधिकारी वित्त एंव राजस्व, को कार्यवाही के निर्देश सीएमओ से मांगी रिपोर्ट मांगते हुए क्लीनिकल एस्टेबलिश एक्ट के अन्तर्गत कार्यवाही के निर्देश दिए। बुजुर्ग महेन्द्र सिंह ने जिलाधिकारी को अपनी फरियाद सुनवाई कि उन्होंने निरंजनपुर में 58.50 लाख में भवन खरीदा पूर्व भवन स्वामी का ऋण चुकाया तथा नो ड्यूज सर्टीफिकेट लिया। अब विक्रेता उन्हें कब्जा व घर में घुसने नही दे रहा है, जिस पर जिलाधिकारी ने एसडीएम सदर को रैंट कन्ट्रोलर एक्ट में मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए।

मूसलाधार बारिश से शहरी इलाकों में जलभराव

जिला प्रशासन ने त्वरित किया समस्या का निदान

देहरादून। जनपद में मूसलाधार बारिश के कारण जन जीवन प्रभावित हुआ। बारिश के कारण दून के शहर के प्रमुख चौक चौराहों पर जलभराव की सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई करते हुए स्थिति को सामान्य किया गया। दून शहर में बारिश के कारण माता मंदिर रोड़ तिराहा, प्रिंस चौक और जोगीवाला लेन नंबर–4 और आईटीबीपी रोड पर जलभराव की सूचना मिलने पर जिला प्रशासन की क्यूआरटी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पानी की निकासी की गई। अपर जिलाधिकारी (वि.रा.) केके मिश्रा ने बताया कि माता मंदिर रोड तिराहा पर नगर निगम द्वारा पानी की निकासी की गई। वहीं प्रिंस चौक और जोगीवाला में स्मार्ट सिटी द्वारा हाई प्रेशर डी–वाटरिंग पंप से पानी की निकासी की गई। जीएमस रोड होटल सनपार्क से आईटीबीपी रोड़ पर जलभराव होने पर सिंचाई विभाग द्वारा डीवाटरिंग पंप से पानी की निकासी की गई। जिला प्रशासन ने बल्लुपुर चौक, पंडितवारी, सीमाद्वार, कैंट एरिया, प्रिंस चौक, आईटी पार्क, सहस्त्रधारा रोड़, 06 नंबर पुलिया, रिस्पना, कैचमेंट, अधोईवाला, कांवली रोड़, चंद्रबनी, आईएसबीटी, बंगाली कोठी, बंजारावाला आरर्केडिया ग्रांट आदि क्षेत्रों में हाल ही में डी–वाटरिंग पंप स्थापित किए है।

शिक्षकों से हटाई जाए बीएलओ की ड्यूटी

देहरादून।प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ ने शिक्षकों को बीएलओ ड्यूटी दिए जाने पर एतराज जताया है। शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनोद थापा और प्रदेश महामंत्री जगवीर खरोला ने राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव को इस संबंध में पत्र लिखा है। संघ की ओर से 2018 के शासनादेश का हवाला देते हुए कहा कि जनगणना, आपदा राहत, स्थानीय निकाय, विधानसभा और लोकसभा चुनाव को छोड़कर शिक्षकों से बाकी गैर शैक्षिक कार्य नहीं लिए जा सकते हैं। लेकिन शिक्षकों की ड्यूटी मतदाना सूची संशोधन और पुनरीक्षण कार्य में लगाई जा रही है। बीएलओ बनने से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

जिलाधिकारी ने सेना और आईटीबीपी के अधिकारियों की ली बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में सोमवार को जनपद में सेना और आईटीबीपी की लंबित समस्याओं को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी लंबित प्रकरणों पर चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को मामलों में आवश्यक कार्रवाई कर निस्तारण करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी जोशीमठ को निर्देशित करते हुए आईटीबीपी और आर्मी के अधिकारियों के साथ बैठक कर लंबित भूमि प्रकरणों का समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने उप जिलाधिकारी को आईटीबीपी और सेना के अधिकारियों के साथ संयुक्त निरीक्षण कर मामलों का निस्तारण करने की बात कही। इस दौरान

भारतीय सेना के ज्योतिर्मठ-औली सड़क के आशा मोड़ पर लंबित प्रकरण को लेकर भी चर्चा की गई। जिस पर जिलाधिकारी ने सेना अथवा आईटीबीपी को कार्यदायी संस्था के रूप में कार्य कर रख-रखाव के लिए नगर पालिका को हस्तांतरित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश ने बताया कि औली में सेना के नाम पर 43.62 एकड़ भूमि दर्ज है। जबकि सेना द्वारा 96.82 एकड़ भूमि पर स्थाई व अस्थाई निर्माण किया गया है। वहीं आईटीबीपी के नाम दर्ज 27.16 एकड़ भूमिके एवज में 54.70 एकड़ भूमि पर स्थाई व अस्थाई निर्माण किए गए हैं। उन्होंने बताया कि सीमा क्षेत्र में नीति, सुमना, लपथल अग्रिम क्षेत्र की भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही गतिमान है। इसके साथ ही सीमा क्षेत्र के पर्यटक स्थल देवताल, सुना और बड़ाहोती में प्रतीक्षालय निर्माण हेतु भूमि चिन्हीकरण किया जा रहा है। यहां भूमि चयन के बाद प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया जाएगा। बताया कि सीमांत नीति गांव में पारंपरिक हॉल निर्माण के लिए भी भूमि चयन की प्रक्रिया गतिमान है। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी डा. अभिषेक त्रिपाठी, परियोजना निदेशक आनंद सिंह भाकुनी, जिला विकास अधिकारी केके पंत के साथ ही उपजिलाधिकारी ज्योतिर्मठ चंद्रशेखर वशिष्ठ व सेना और आईटीबीपी के अधिकारी वर्चुअल माध्यम से बैठक में मौजूद रहे।

महिलाओं ने मुख्यमंत्री को बांधी राखी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय परिसर में मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना अन्तर्गत राज्य स्तरीय कार्यक्रम का समस्त 95 विकासखंडो में शुभारम्भ एवं महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा रक्षाबन्धन पर्व हेतु लगाये गये स्टॉलों का अवलोकन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को विभिन्न महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी बहनों ने राखी बांधी। मुख्यमंत्री ने उपस्थित महिला स्वयं सहायता समूहों को रक्षाबंधन की अग्रिम बधाई एवं शुभकामनायें दी। मुख्यमंत्री ने महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्वरोजगार, महिला स्वावलंबन, स्थानीय उत्पादों व हस्तशिल्प में किये जा कार्यों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की महिलाओं ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर यह सिद्ध कर दिया है, कि यदि मातृशक्ति को अवसर, संसाधन और सहयोग मिले तो वो न केवल स्वयं को सशक्त बना सकती है, बल्कि अपने परिवार, समाज और प्रदेश के विकास में भी अहम भूमिका निभा सकती है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आप सभी ने जो आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम की है, वो उत्तराखंड की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा देने का माध्यम बन रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश की 1 लाख 63 हजार से अधिक बहनों ने लखपति दीदी बनकर महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक नया इतिहास रचा है। हमारी सरकार ने मातृशक्ति द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और बिक्री के लिए भी एक सशक्त इकोसिस्टम विकसित किया है, जिसके अंतर्गत जहां एक ओर महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए गए उत्पादों की प्रोसेसिंग एवं मार्केटिंग हेतु 49 ग्रोथ सेन्टरों की स्थापना की गई है। इस अवसर पर विधायक मुन्ना सिंह चौहान, ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारी एवं विभिन्न महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी उद्यमी महिलाये उपस्थित थी।

ओएनजीसी चौक कार हादसे में कंटेनर मालिक की भूमिका जांच में शामिल होगी

देहरादून। ओएनजीसी इनोवा कार हादसे में कंटेनर के मालिक की भूमिका को पुलिस जांच में शामिल किया जाएगा। एसीजेएम द्वितीय संदीप सिंह भंडारी की कोर्ट ने यह आदेश मृतक कामाक्षी के पिता अधिवक्ता तुषार सिंघल के प्रार्थनापत्र की सुनवाई के बाद सोमवार को दिया। सिंघल ने इस मामले में कंटेनर मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की थी। इस पर न्यायालय ने मुकदमा दर्ज करने के आदेश न देकर उनके उठाए गए तथ्यों और सवालों को एक्सीडेंट के मुकदमे की विवेचना में शामिल करने के आदेश दिए हैं। ओएनजीसी चौक पर बीते साल 11 नवंबर की रात करीब 1:21 बजे तेज रफ्तार इनोवा कार सामने से गुजर रहे कंटेनर से टकराई थी। कार में सात युवा सवार थे। जिनमें से तीन युवक और तीन युवतियों की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई थी। एक युवक को गंभीर चोट आई। मामले में पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर कंटेनर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। हादसे में मारी गई कामाक्षी के पिता अधिवक्ता तुषार सिंघल ने न्यायालय में कंटेनर मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए अपील की। कोर्ट में कहा कि मामले में कंटेनर मालिक की पूरी संलिप्तता है। जिस कंटेनर से हादसा हुआ वह वीआरसी लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर है। इस कंपनी के डायरेक्टर जसकरन सिंह चड्ढा और हरविंदर सिंह चड्ढा हैं। कंटेनर की फिटनेस 13 अगस्त 2013 को समाप्त हो गई थी। इसके करीब डेढ़ साल बाद 31 मार्च 2015 को टैक्स भी खत्म हो गया था। कंटेनर के आगे और पीछे दोनों तरफ की लाइट खराब थीं। कंटेनर के चालक के पास वैध कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं था।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com